महाराष्ट्र में शुक्रवार को होने वाले विधान परिषद चुनाव से पहले राजनीतिक दलों ने अपने विधायकों को होटलों में ठहराया है। उन्हें क्रॉस वोटिंग का भय है। इस चुनाव में 11 सीटों के लिए 12 उम्मीदवार मैदान में हैं। चुनाव से पहले बैठकों के दौर के साथ ही रात्रिभोज का आयोजन भी हुआ।

जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्षः29 अंकः211 दिनांकः12-07-2024 शुक्रवार मूल्यः1 रूपया 50 पैसा पृष्ठः4 अहमदाबाद M

केंद्र सरकार ने अग्निवीरों को लेकर बड़ा फैसला लिया है। अब पूर्व अग्निवीरों के लिए अर्द्धसैनिक बलों जैसे बीएसएफ और सीआईएसएफ में 10-10 प्रतिशत आरक्षित किए जाएंगे। दरअसल, संसद में अग्निवीर को लेकर विपक्ष ने मुद्दा उठाया था। तब से अग्निवीर का मामला तूल पकड़ा हुआ है।

सुप्रीम कोर्ट में नीट मामले की सुनवाई 18 जुलाई तक टली

-सीबीआई ने बंद लिफाफे में रिपोर्ट पेश की

नई दिल्ली,(ईएमएस)। आज सुप्रीम कोर्ट नीट मामले की अहम सुनवाई करने जा रहा था, लेकिन इसे अब अगली तारीख 18 जुलाई तक के लिए टाल दिया गया है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली बेंच अगले गुरुवार को नीट परीक्षा में अनियमितता और री-एग्जाम की याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। सीबीआई ने बंद लिफाफे में अपनी रिपोर्ट अदालत में पेश कर दी है।

नीट पेपर लीक मामले में केंद्र और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी एनटीए ने 10 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा पेश किया था, जिसमें कहा गया कि वह नीट परीक्षा दोबारा नहीं कराना चाह रही है। एनटीए के इस हलफनामें के बाद आज गुरुवार को केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई ने बंद लिफाफे में अपनी रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में पेश कर दी है। सीबीआई रिपोर्ट में कहा गया कि नीट पेपर लीक केवल एग्जाम सेंटर्स तक सीमित रहा है, सोशल मीडिया पर लीक नहीं किया गया है।

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने 8 जुलाई को नीट मामले की सुनवाई करते हुए केंद्र से कई सवालों के जवाब चाहे थे और साफतौर पर यह कहा था कि यदि पेपर सोशल मीडिया पर लीक हुआ है तो फिर यह जंगल में आग की तरह फेला होगा अतः दोबारा परीक्षा करवाने की दिशा में सोचना होगा।

चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने एक अहम सवाल करते हुए कहा, कि यह मानते हुए कि हम परीक्षा रद्द नहीं करने जा रहे हैं, तो धोखाधड़ी के लाभार्थियों की पहचान करने के लिए आज हम क्या करने जा रहे हैं? उन्होंने पुनः सवाल किया कि लाभार्थियों की पहचान करने के लिए सरकार ने अभी तक क्या किया है? नीट परीक्षा पुनः कराए जाने को लेकर सीजेआई का कहना था कि ऐसी स्थिति में जहां उल्लंघन से पूरी प्रक्रिया प्रभावित हुई हो और लाभार्थियों को अन्य लोगों से अलग करना संभव नहीं हो, वहां पुनः परीक्षा के आदेश देना आवश्यक हो सकता है। इसी के साथ ही चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा था कि नीट यूटी 2024 की सुचिता से समझौता हुआ है तो परीक्षा रद्द होनी चाहिए। आज सुप्रीम कोर्ट में सीबीआई ने अपनी जांच रिपोर्ट बंद लिफाफे में पेश कर दी है और अगली सुनवाई 18 जुलाई को होगी, जिस पर संपूर्ण देश की नजरें टिकी हुई हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी : पाकिस्तान नहीं जाएगी टीम इंडिया !

यूएई या श्रीलंका में रखे जा सकते हैं भारतीय टीम के मैच

दुबई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम अगले साल फरवरी-मार्च में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान शायद ही जाये। ऐसे में माना जा रहा है कि ये टूर्नामेंट भी एशिया कप की तरह ही हाइब्रिड मॉडल में आयोजित किया जा सकता है। चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी पाकिस्तान कर रहा है। इस टूर्नामेंट के कुछ मैच यूएई या श्रीलंका में भी आयोजित किए जा सकते हैं।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को जो कार्यक्रम सौंपा था। उसमें भारतीय टीम के सभी मैच लाहौर में रखे गए थे जिसमें एक मार्च को दोनो के बीच होने मैच रखा गया है। भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस कार्यक्रम को लेकर अपनी मंजूरी नहीं दी है। शामिल था। बीसीसीआई की ओर से इसपर अभी कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है पर एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय टीम के पाक जाने की संभावना नहीं है। ऐसे में ये टूर्नामेंट भी हाइब्रिड मॉडल पर हो सकता है। इसके तहत भारतीय टीम के मैच किसी अन्य देश में रखे जा सकते हैं। ये भी हो सकता है कि भारतीय टीम के मैच एशिया कप की तरह ही यूएई या श्रीलंका में रखे जाएं। आईसीसी ने अभी तक इस बार में कुछ स्पष्ट नहीं है। अब देखना है कि आईसीसी इस मामले में क्या फैसला करता है।

इससे पहले पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा था कि चैंपियंस ट्रॉफी के सभी मैच पाकिस्तान में ही रखे जाएंगे। नकवी ने कहा कि जुलाई के अंत में कोलंबो में होने वाली आईसीसी बोर्ड मीटिंग के दौरान इस मुद्दे को उठाया जाएगा। भारत ने 2012-13 सत्र के बाद से पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय क्रिकेट नहीं खेला है। भारत ने 2008 के बाद से पाकिस्तान की यात्रा नहीं की है।

अग्निवीरों के लिए सरकार की बड़ी घोषणा, CISF-BSF में मिलेगा आरक्षण

नई दिल्ली। पूर्व अग्निवीरों के लिए बड़ी घोषणा की गई है, जिसके तहत सीआईएसएफ और बीएसएफ में 10 फीसदी सीटें उनके लिए आरक्षित रहेंगी। सीआईएसएफ और बीएसएफ के प्रमुखों ने गुरुवार को इसका एलान किया। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय के फैसले के अनुरूप संबंधित बलों में कांस्टेबलों के 10 फीसदी पद पूर्व अग्निवीरों के लिए आरक्षित किए जाएंगे। सीआईएसएफ महानिदेशक नीना सिंह ने कहा, 'केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पूर्व अग्निवीरों की भर्ती के संबंध में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। जिसके तहत सीआईएसएफ भी पूर्व अग्निवीरों की भर्ती की प्रक्रिया तैयार कर रहा है।'

उन्होंने कहा कि भविष्य में कांस्टेबलों की सभी नियुक्तियों में पूर्व अग्निवीरों के लिए 10 प्रतिशत नौकरियां आरक्षित की जाएंगी। साथ ही शारीरिक परीक्षणों में भी उन्हें उम्र में छूट दी जाएगी। पहले वर्ष में आयु में छूट पांच साल के लिए है और अगले वर्ष में आयु में तीन साल की छूट होगी। सीआईएसएफ प्रमुख ने कहा, 'पूर्व अग्निवीर इसका लाभ उठा सकेंगे और सीआईएसएफ यह सुनिश्चित करेगा। यह सीआईएसएफ के लिए भी फायदेमंद होगा, क्योंकि बल को प्रशिक्षित और अनुशासित कर्मी मिलेंगे।'

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के महानिदेशक नितिन अग्रवाल ने कहा, ठउन्हें चार साल का अनुभव मिला है। वे पूरी तरह से अनुशासित और प्रशिक्षित कर्मी हैं। यह बीएसएफ के लिए बहुत अच्छा है क्योंकि हमें प्रशिक्षित सैनिक मिल रहे हैं। संक्षिप्त प्रशिक्षण के बाद, उन्हें सीमा पर तैनात किया जाएगा। पूर्व अग्निवीरों के लिए बड़ा एलान करते हुए सीआईएसएफ और बीएसएफ के प्रमुखों ने घोषणा की है कि उन्हें बलों में कांस्टेबल भर्ती में 10 फीसदी का आरक्षण दिया जाएगा। इसके अलावा आयु सीमा और शारीरिक परीक्षण में भी छूट का प्रावधान किया जाएगा। आयु में पहले वर्ष में पांच साल के लिए है और अगले वर्ष में तीन साल की छूट होगी।

उन्होंने कहा कि पूर्व अग्निवीरों की भर्ती से सभी सुरक्षा बलों को फायदा होगा। उन्होंने कहा, ठहम उनकी तैनाती का इंतजार कर रहे हैं। प्रशिक्षण देने के बाद उन्हें तैनात किया जाएगा। कुल रिक्तियों में से 10 प्रतिशत उनके लिए आरक्षित होंगे। उनके लिए आयु में भी छूट होगी। पहले बैच को पांच साल की छूट मिलेगी और बाद के बैच को तीन साल की छूट मिलेगी।गौरतलब है कि सरकार ने जून 2022 में आर्मी, नेवी और एयरफोर्स, तीनों सेवाओं की आयु प्रोफाइल को कम करने के उद्देश्य से अग्निपथ भर्ती योजना शुरू की थी। अग्निपथ योजना साढ़े 17 वर्ष से 21 वर्ष की आयु वर्ग के युवाओं को चार साल के लिए भर्ती की जाती है, जिसमें से 25 प्रतिशत जवानों की सेवा 15 वर्षों के लिए लिए बरकरार रखे जाने का प्रावधान है।

चार साल की सेवा के बाद प्रत्येक अग्निवीर को 'सेवा निधि पैकेज' से मिलने वाले 11.71 लाख रुपये के वित्तीय पैकेज का उल्लेख करते हुए पीआइबी ने कहा है कि इसे युवा आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो सकेंगे और कोई उद्यम भी शुरू कर सकेंगे। बैंक से लोन दिलाने में भी मदद की जाएगी और दूसरी जगह नौकरी की तलाश में भी सहायता की जाएगी।

यूपी में पेपर लीक को लेकर दो विधायकों समेत 18 के खिलाफ गैर जमानती वारंट

लखनऊ (ईएमएस)। पेपर लीक मुद्दे को लेकर भाजपा की केन्द्र व उप्र की सरकारें विपक्ष के निशाने पर हैं। पेपर लीक और भर्ती घोटाले में लखनऊ के गैंगस्टर कोर्ट ने सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) विधायक बेदी राम और निषाद पार्टी के विधायक विपुल दूबे समेत 18 आरोपियों के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया है। बेदी राम गाजीपुर के जखनिया और विपुल दुबे भदोही की ज्ञानपुर सीट से विधायक हैं। यह मामला 2006 में रेलवे की ग्रुप डी परीक्षा के पेपर लीक से जुड़ा है। कोर्ट ने सभी आरोपियों को 26 जुलाई को पेश होने का आदेश दिया है।

बताया जा रहा है कि रेलवे की परीक्षा से एक दिन पहले बेदीराम के यहां से पेपर बरामद हुआ था। एसटीएफ ने बेदीराम, विपुल दुबे समेत 16 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। 25 फरवरी, 2006 को आलमबाग इलाके से एसटीएफ ने इन लोगों को गिरफ्तार किया था। एसटीएफ ने कृष्णा नगर थाने में गैंगस्टर एक्ट का भी मुकदमा दर्ज कराया था। बेदी राम समेत कुल 18 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल हुई थी। इससे पहले गैंगस्टर कोर्ट ने विधायक बेदी राम समेत कई आरोपियों की हाजिरी माफी के प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया था। इसके बाद इन सभी के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी कर दिया है। कोर्ट ने इंस्पेक्टर कृष्णा नगर को 26 जुलाई को सभी आरोपियों की उपस्थित सुनिश्चित करने का आदेश दिया है।

दिल्ली की मुनक नहर टूटी, बवाना और जेजे कालोनी जलमग्न

नई दिल्ली (ईएमएस)। बवाना औद्योगिक क्षेत्र के पास बीती रात मुनक नहर टूट गई, इस कारण जेजे कालोनी जलमग्न हो गई। कालोनी के छह ब्लॉक में तीन फीट से अधिक पानी भर गया है। मुनक नहर का पानी तेजी से रिहायशी इलाकों में जमा हो रहा है। लोग बाढ़ से बचने की जद्दोजहद में जुटे हैं। इस बीच, गुरुवार सुबह आठ बजे नहर की मरम्मत का काम शुरू किया गया है।

नीट-यूजी एग्जाम में हुई गड़बड़ियों की सीबीआई जांच में खुलासा

..गोधरा में एक सेंटर पर ओडिशा, बिहार, महाराष्ट्र, राजस्थान, यूपी के परीक्षार्थी ने दिया था परीक्षा

एक सेंटर में 5 राज्यों के कैंडिडेट, सबकी भाषा गुजराती

-सीबीआई ने कोर्ट में कहा- चीटिंग के लिए बनाया सिस्टम; सबका पता पंचमहल या वडोदरा

नई दिल्ली(ईएमएस)। नीट मामले में गड़बड़ी को लेकर चीफ जस्टिस की बेंच ने गुरूवार को 38 याचिकाओं पर सुनवाई की। इस बीच नीट-यूजी एग्जाम में हुई गड़बड़ियों की सीबीआई जांच में एक नया मामला सामने आया है। सीबीआई ने गुजरात कोर्ट को बताया कि गोधरा में एक सेंटर पर ओडिशा, बिहार, महाराष्ट्र, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के कैंडिडेट्स ने एग्जाम दिया था। आरोपियों ने एग्जाम में कैंडिडेटस को एग्जाम के लिए गुजराती भाषा चुनने को कहा था। इसके अलावा कैंडिडेटस को गुजराती भाषा सिलेक्ट करने को इसलिए कहा गया था, क्योंकि इससे चीटिंग कर एग्जाम में शामिल होने वाले गुजराती भाषी स्टूडेंट्स अपनी आंसर शीट भर सकें।

इन कैंडिडेट्स को कहा गया था कि वे अपना स्थाई पता पंचमहल या वडोदरा बताएं। सीबीआई ने कहा कि इन दोनों एग्जाम सेंटर्स का कंट्रोल एक ही डायरेक्टर के पास था। इन आरोपियों ने अलग-अलग राज्यों के इन सभी कैंडिडेट्स को अलग-अलग लिंक के जरिए कॉन्टेक्ट किया था।

लीक का मास्टरमाइंड रॉकी गिरफ्तार

बिहार में नीट पेपर लीक मामले में केंद्रीय जांच एजेंसी ने मुख्य सरगना राकेश रंजन (रॉकी) को गिरफ्तार कर लिया है। उसे बिहार के पटना से गिरफ्तार किया गया है। सीबीआई को अदालत से रंजन की 10 दिन की हिरासत मिली है। पटना और कोलकाता में उससे जुड़े ठिकानों पर छापेमारी के बाद आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद हुए हैं। राकेश रंजन उर्फ रॉकी रांची में होटल चलाता है और संजीव मुखिया का भांजा है। पेपर लीक होने के बाद उसे हल करने के लिए रॉकी ने ही सॉल्वर्स का जुगाड़ किया था। रांची और पटना के एमबीबीएस छात्रों का सॉल्वर्स के तौर पर इस्तेमाल किया गया था। सूत्रों के मुताबिक, रॉकी दरअसल संजीव मुखिया का बड़ा राजदार भी है। रॉकी ने नीट पेपर लीक के बाद उसका जवाब तैयार करने के लिए सॉल्वर्स का जुगाड़ किया था। रॉकी, झारखंड में संजीव मुखिया गिरोह का खास एसेट है। रांची और पटना के एमबीबीएस स्टूडेंट्स को सॉल्वर्स के तौर पर इस्तेमाल किया गया। जानकारी के मुताबिक, रॉकी की गिरफ्तारी के बाद सॉल्वर्स के बारे में अहम जानकारी मिल सकती है। सीबीआई को यह सफलता अमन सिंह की गिरफ्तारी के बाद मिली है। सीबीआई ने अमन को झारखंड के धनबाद से गिरफ्तार किया गया था। अमन सिंह, पेपर लीक कांड में रॉकी का बेहद खास बताया गया है।

सीबीआई का अगला टारगेट संजीव मुखिया

अमन सिंह और रॉकी की गिरफ्तारी के बाद सीबीआई को अब नीट पेपर लीक मामले में संजीव मुखिया उर्फ लूटन की तलाश है। अमन सिंह की गिरफ्तारी के बाद रॉकी की गिरफ्तार हुई और 10 दिन की रिमांड मिली है। रॉकी को रिमांड पर लेने के बाद सीबीआई की टीम अब संजीव मुखिया की लोकेशन को लेकर पूछताछ करेगी।

अब तक 7 राज्यों से हुईं 43 गिरफ्तारियां

देशभर में 4 जून के बाद से नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के खिलाफ लगातार विरोध प्रदर्शन जारी हैं। केंद्र सरकार ने 22 जून को नीट केस की जांच सीबीआई को सौंप दी। अब तक पेपर लीक केस की जांच 6 राज्यों तक पहुंच चुकी है। सीबीआई ने बिहार से 3 और झारखंड से 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। गुजरात से भी 4 आरोपियों को रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है। 7 राज्यों से अब तक 43 गिरफ्तारियां हो चुकी हैं।

नीट पर सुनवाई अब 18 जुलाई को नीट मामले में गड़बड़ी को लेकर 38 याचिकाओं पर अगली सुनवाई अब 18 जुलाई को होगी। कोर्ट ने केंद्र सरकार और एनटीए के हलफनामे पर याचिकाकर्ताओं को जवाब देने के लिए समय दिया है। चीफ जस्टिस की बेंच ने कहा कि कोर्ट के 8 जुलाई के निर्देश के जवाब में केंद्र और एनटीए ने अपने हलफनामे दायर कर दिए हैं।रॉकी, झारखंड में संजीव मुखिया गिरोह का खास एसेट है। हालांकि, बेंच ने ये पाया है कि कुछ याचिकाकर्ताओं को अभी तक केंद्र और एनटीए के हलफनामे नहीं मिल पाए हैं। मामले की अगली सुनवाई 18 जुलाई को की जाएगी। सुनवाई के लिए गुरूवार को कोर्ट में नीट का केस 40 से 45 मामले पर लिस्ट किया गया था। केस 33 की सुनवाई के बाद सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि कल सबसे पहले नीट पर सुनवाई होगी।

इसके बाद इसे सोमवार तक के लिए टाल दिया। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बुधवार को केस की सुनवाई करने की रिक्वेस्ट की। फिलहाल, कोर्ट ने अगली सुनवाई 18 जुलाई तक टाल दी है । सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई की बेंच के सामने नीट मामले की पहली सुनवाई 8 जुलाई को हुई थी।

पीलीभीत में बाढ़ से भयानक तबाही: जान बचाने गांवों में घुस रहे जंगली जानवर

पीलीभीत(ईएमएस)। जिले के अलग-अलग इलाकों में बाढ़ के हालात बने हुए हैं। एक तरफ जहां इंसान बाढ़ का प्रकोप झेल रहे हैं तो वहीं दूसरी ओर वन्यजीव भी अब इस प्राकृतिक आपदा से जूझ रहे हैं। आलम यह है कि वन्यजीव अपनी जान बचाने के लिए शहरी व ग्रामीण इलाकों में आबादी के बीच पहुंच रहे हैं। शहर के अलग अलग इलाकों में मगरमच्छ के पहुंचने की खबरें सामने आ रही है। बीते दिनों एक मगरमच्छ कलेक्ट्रेट स्थित विकास भवन परिसर में देखा गया था। शहर के एक निजी स्कूल में भारी भरकम मगरमच्छ पाए जाने की ख़बर सामने आई है। हालातों के बीच मंगलवार को एक चित्तीदार हिरण शहर स्थित जामा मस्जिद के समीप एक घेर में पहुंच गया। वह कई जगह पर चोटिल भी था। स्थानीय लोगों ने आनन-फानन में मामले की सूचना स्थानीय पुलिस को दी जिन्होंने अग्रिम कार्रवाई के लिए वन विभाग को सूचित किया। जिसके बाद वन विभाग की टीम ने मौक़े पर पहुंच कर घायल हिरण को रेस्क्यू किया।

पूरे मामले पर अधिक जानकारी देते हुए पीलीभीत टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह ने बताया कि वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए एक क्विक रिस्पॉन्स टीम का गठन कर दिया गया है। सूचना मिलते ही टीम मौके पर जाकर कार्रवाई करती है। वहीं जंगल में भी रेंज अधिकारियों को सतर्कता बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले के लगभग एक तिहाई हिस्सा वन क्षेत्र है। ऐसे में यहां का जंगल बहुत विशाल है। टाइगर रिजर्व होने के चलते यहां हर प्रजाति के वन्यजीव बड़ी संख्या में पाए जाते हैं। पीलीभीत टाइगर रिजर्व में नदियों व नहरों का एक विस्तृत जाल बिछा हुआ है। वहीं इन दिनों पहाड़ों पर हुई मूसलाधार बारिश के बाद इन नदियों व नहरों का जल स्तर उफान पर है वह अधिकांश बाढ़ की स्थिति में है। ऐसे में तमाम इलाकों में बाढ़ का पानी घुस गया है। अपनी जान बचाने के लिए वन्यजीव आबादी का रुख़ कर रहे हैं।

राजस्थान के टोंक जिले में भारी बारिश

टोंक (ईएमएस)। राजस्थान में बीते चौबीस घंटे के दौरान टोंक जिले में कई जगह भारी बारिश दर्ज की गई। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, पिछले 24 घंटों में राज्य में कुछ स्थानों पर मेघ गर्जन के साथ हल्के से मध्यम वर्षा तथा टोंक जिले में कहीं-कहीं भारी वर्षा दर्ज की गई है। इस दौरान सर्वाधिक 66 मिलीमीटर बारिश टोंक के नगरफोर्ट में और जालोर के आहोर में 47 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। मौसम केंद्र के अनुसार, 11 से 15 जुलाई तक केवल छुटपुट स्थानों पर मेघ गर्जन के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। बीकानेर और जोधपुर संभाग में 12 जुलाई को 25 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज सतही हवाएं चलने और केवल छुटपुट स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

बारिश-बिजली से 56 की मौत

-6 राज्यों में भारी बारिश की संभावना

नई दिल्ली(ईएमएस)। उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड में बारिश, बाढ़ और बिजली गिरने से पिछले 24 घंटों के दौरान 56 लोगों की मौत हुई है। यूपी में बाढ़-बारिश से जुड़े हादसे में 32 लोगों की जान गई है। राज्य के 12 जिलों के करीब 800 गांवों में बाढ़ जैसे हालात हैं। पीलीभीत और लखीमपुर खीरी में एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें रेस्क्यू में लगी हैं।

बिहार में बिजली गिरने से 21 और झारखंड में 3 की मौत हुई है। मौसम विभाग ने बिहार में भारी बारिश और बिजली गिरने को लेकर रेड अलर्ट जारी किया है। राज्य में गंडक, कोसी, बागमती, कमला समेत कई नदियां उफान पर हैं। गोपालगंज, पश्चिम चंपारण सहित कई जिलों में बाढ़ आ गई है। मौसम विभाग ने उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और गोवा में भारी बारिश को लेकर आज ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, झारखंड, बंगाल, ओडिशा और कर्नाटक में भी यलो अलर्ट है।

आईसीएआई ने जारी किया सीए एग्जाम का रिजल्ट

नई दिल्ली (ईएमएस)। इंस्टीटयूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) गुरुवार को इंटरमीडिएट और फाइनल रिजल्ट 2024 को जारी कर दिया है। इसके अलावा आईसीएआई ने मैरिट लिस्ट और रैंक सर्टिफिकेट भी जारी किया है। जानकारी के मुताबिक सीएम मई इंटरमीडिएट और फाइनल परीक्षा 2024 में ग्रुप 1 में 1,17,764 उम्मीदवारों ने परीक्षा दी थी, जिसमें से केवल 31978 उम्मीदवारों ने ही एग्जाम पास किया है। वहीं ग्रुप 2 की बता करें 71145 उम्मीदवारों ने परीक्षा दी थी, जिसमें से 13008 उम्मीदवार ही पास हुए। दोनों ग्रुप की परीक्षा 59956 उम्मीदवारों ने दी थी, जिसमें से 11041 उम्मीदवार ही पास हुए।

बता दें कि इस वर्ष, ग्रुप 1 के लिए आईसीएआई सीए इंटर परीक्षा 3, 5 और 9 मई, 2024 को और ग्रुप 2 की परीक्षा 11, 15 और 17 मई, 2024 को आयोजित की गई थी। सीए फाइनल ग्रुप 1 परीक्षा 2, 4 और 8 मई को और ग्रुप 2 की परीक्षा 10, 14 और 16 मई, 2024 को आयोजित की गई थी। अंतर्राष्ट्रीय कराधान-मूल्यांकन परीक्षा 14 और 16 मई, 2024 को आयोजित की गई थी। ये सभी परीक्षाएं देश भर में विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की गई थीं।

कार्ड और ऑनलाइन ट्रांजैक्शन से 1 वर्ष में 1457 करोड रुपए की ठगी

मुंबई (ईएमएस)। वर्ष 2020-21 से बैंकिंग धोखाधड़ी बढ़ती चली जा रही है। 2020-21 में 2545 धोखाधड़ी के मामले पंजीकृत हुए थे। इसमें 119 करोड रुपए की ठगी हुई। 2021-22 में 3596 मामले दर्ज हुए। इसमें 155 करोड रुपए की ठगी हुई। 2022-23 में 6699 मामले दर्ज किए गए। इसमें 277 करोड रुपए की ठगी हुई। 2023-24 में ठगी के मामले बढ़कर 29082 हो गए।इसमें 1457 करोड रुपए की ठगी हुई है।पिछले 4 वर्षों में ठगी की घटनाएं 334 फ़ीसदी बढ़ गई है।

ऑनलाइन बैंकिंग और कार्ड के जरिए धोखाधड़ी के मामले बड़ी तेजी के साथ बढ़ते जा रहे हैं।शिकायत करने के बाद भी इन मामलों का खुलासा बैंक और साइबर क्राइम के माध्यम से नहीं हो पा रहा है। बैंकिंग उपभोक्ता धोखाधड़ी का शिकार हो रहा है। सरकार और बैंकों को धोखाधड़ी रोकने के लिए जिस तरह के प्रयास करने चाहिए थे। वह नहीं हो रहे हैं।जिसके कारण धोखाधड़ी की वारदातें बड़ी तेजी के साथ बढ़ती जा रही हैं।

कंगना से मुलाकात के लिए आधार कार्ड जरूरी, कांग्रेस ने उठाये सवाल

नई दिल्ली (ईएमएस)। हिमाचल प्रदेश की लोकसभा क्षेत्र की सांसद कंगना रनौत ने मुलाकात करने वालों के लिए आधार कार्ड अनिवार्य कर दिया है। कंगना के इस बयान पर हिमाचल प्रदेश में बवाल मच गया है. कांग्रेस ने इस पर सवाल उठाए हैं. कांग्रेस ने कहा है कि किसी चुने हुए प्रतिनिधि का अपने क्षेत्र की जनता के साथ ऐसा व्यवहार ठीक नहीं है.

हिमाचल प्रदेश के मंडी की बीजेपी सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत ने मंडी में एक बयान दिया कि अगर मंडी संसदीय क्षेत्र की जनता को मुझसे मिलना है तो आधार कार्ड लेकर आए तो अच्छा होगा, क्योंकि उससे पता चलेगा कि मंडी संसदीय क्षेत्र से है या फिर कोई टूरिस्ट तो नहीं है.

कंगना रनौत ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि, हमारा यही लक्ष्य है कि जनता आकर हमसे जुड़े, न कि सिर्फ काम करवाने के उद्देश्य से आए. जो जनसेवा की इच्छा रखते हैं, राजनीति में उत्सुकता रखते हैं, वे यहां आकर जुड़ें. मैं आते-जाते अक्सर आपको मिलूंगी. कोई भी चर्चा करनी हो तो आप बेझिझक यहां आएं.

कंगना रनौत ने मंडी के अपने दफ्तर का पता बताया. उन्होंने कहा कि, हिमाचल में बहुत ज्यादा पर्यटक आते हैं, इसलिए आपका मंडी क्षेत्र का आधार कार्ड होना जरूरी है. और साथ में जो संसदीय क्षेत्र से जुड़ा आपका काम है, वह भी चिट्ठी पर लिखा हुआ होना चाहिए. उन्होंने कहा कि, टूरिस्ट इतने ज्यादा आते हैं कि आम लोगों को असुविधा हो जाती है.

उन्होंने कहा कि, आप मिलकर चर्चा करते हैं तो अच्छा होता है. व्यक्तिगत रूप से आकर मिलें. आपको लगता है कि कोई विषय संसद में उठना चाहिए, तो मैं आपकी आवाज हूं.

कांग्रेस ने कंगना रनौत के इस बयान पर सवाल उठाए हैं. मंडी लोकसभा सीट पर कांग्रेस के प्रत्याशी रहे और वर्तमान में हिमाचल सरकार के लोकनिर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि, किसी जनप्रतिनिधि का अपने संसदीय क्षेत्र की जनता से यह कहना कि मुझसे मिलने आना हो तो आधार कार्ड लेकर आएं, अच्छा व्यवहार नहीं है।

तीसरी की छात्रा से गैंगरेप, हत्या

नंद्याल(ईएमएस)। आंध्र प्रदेश के नंद्याल जिले में तीसरी क्लास में पढऩे वाली बच्ची से गैंगरेप और मर्डर का मामला सामने आया है। पुलिस ने बच्ची के स्कूल के तीन नाबालिग छात्रों को आरोपी बनाया गया है। छात्रों ने गैंगरेप के बाद बच्ची की हत्या कर दी। सबूत मिटाने के लिए शव को नहर में फेंक दिया। शव अभी नहीं मिला है। बच्ची की उम्र 8 साल थी। वहीं, आरोपी दो लडक़ों की उम्र 12 साल है। दोनों छठी क्लास में पढ़ते हैं। तीसरे आरोपी की उम्र 13 साल है, वह सातवीं क्लास में पढ़ता है। पुलिस के मुताबिक, घटना रविवार (7 जुलाई) शाम की बताई जा रही है। घटना के वक्त बच्ची पगडियाला स्थित एक पार्क में खेल रही थी। इसी दौरान आरोपी छात्र उसे खेलने के बहाने सुनसान जगह ले गए और वारदात को अंजाम दिया। बच्ची घटना के बारे में अपने माता-पिता को न बता दे, इस डर से आरोपी बच्चों ने उसकी हत्या कर दी और शव को पास की नहर में फेंककर मौके से भाग निकले।

मिस्टर जज आप नहीं... मैं हूं

सीजेआाई चंद्रचूड़ ने नीट मामले की सुनवाई के दौरान वकील को याद दिलाया

नई दिल्ली,(ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट में नीट मामले की सुनवाई के दौरान ऐसा कुछ हुआ कि सीजेआई चंद्रचूड़ वकील को यह याद दिलाते नजर आए कि जज कौन है। नीट मामले की सुनवाई की नई तारीख देने और ऑर्डर लिखवाने के दौरान ही सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सोमवार और मंगलवार को अपनी अनुपलब्धता बताई थी, तभी वरिष्ठ वकील जे नेदमपारा कह उठे कि वह बुधवार के लिए राजी हैं। इस पर सीजेआई चंद्रचूड़ ने उन्हें रोकते हुए कहा, कि एक सेंकड, मिस्टर नेदमपारा, जज आप नहीं, सौभाग्य से जज मैं हूं। आप खामोश रहें।

सुप्रीम कोर्ट में आज गुरुवार को नीट मामले की सुनवाई हुई। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने सुनवाई के बाद मामले को 18 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दिया। इससे पहले मामले से संबंधित पक्षों ने केंद्र सरकार और एनटीए द्वारा अदालत में दायर हलफनामे की कॉपी नहीं मिलने की बात कही, जिसे देखते हुए सुनवाई स्थगित करने की बात कही गई। सीजेआई ने कहा कि मामले की सुनवाई अब कल यानी शुक्रवार को की जाएगी। इसके फौरन बाद ही उन्होंने फिर कहा कि सोमवार को अगली सुनवाई होगी। सुनवाई की नई तारीख देने और ऑर्डर लिखवाने के बीच ही सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सोमवार और मंगलवार को अदालत से अनुपलब्ध रहने की बात कही और अनुरोध किया कि बुधवार को सुनवाई कर ली जाए। इसी बीच एक छात्र समूह की ओर से अदालत में पेश हुए वरिष्ठ वकील जे नेदमपारा कह उठे कि वह बुधवार के लिए राजी हैं। इस पर सीजेआई चंद्रचूड़ ने उन्हें अपने जज होने का एहसास दिलाते हुए कहा, एक सेंकड, मिस्टर नेदमपारा, जज आप नहीं, सौभाग्य से जज मैं हूं। इसके साथ ही सीजेआई चंद्रचूड़ ने सुनवाई की अगली तारीख का ऐलान करते हुए कहा कि बुधवार को अवकाश है, इसलिए मामले की अगली सुनवाई अब गुरुवार यानी 18 जुलाई को होगी।

कर्नाटक में लोकायुक्त और ईडी की छोपमारी

बेंगलुरु (ईएमएस)। कर्नाटक लोकायुक्त ने गुरुवार सुबह राज्य भर में कई सरकारी अधिकारियों के ठिकानों पर छापेमारी की। जानकारी के मुताबिक, लोकायुक्त ने आय से अधिक संपत्ति के आरोपों और शिकायतों से जुड़े मामलों पर छापेमारी की है। कुल 9 जिलों में 11 मामलों से जुड़ी छापेमारी की गई है, जिनमें दावणगेरे और चित्रदुर्ग के दो-दो मामले शामिल हैं। साथ ही ईडी ने भी पूर्व मंत्री और विधायक के घरों पर छापेमारी की है।

कहां-कहां हुई छापेमारी?

कलबुर्गीः बसवराज मागी, राजस्व अधिकारी, केंगेरी डिवीजन, बीबीएमपी जोन, बेंगलुरु

मांडयाः शिवराजू एस, कार्यकारी अभियंता (रिटायर्ड), ग्रामीण पेयजल और स्वच्छता प्रभाग, मांडया जिला

चित्रदुर्गः एम. रवींद्र, मुख्य अभियंता (रिटायर्ड), लघु सिंचाई विभाग, बेंगलुरु

धारवाड़ः शेखर गौड़ा, परियोजना निदेशक

बेलगावीः महादेव बन्नूर, सहायक कार्यकारी अभियंता

दावणगेरेः डी. एच. उमेश, कार्यकारी अभियंता (वी) और एम. एस. प्रभाकर, सहायक कार्यकारी अभियंता

कोलारः विजयन्ना, तहसीलदार

मैसूरः-महेश के, अधीक्षक अभियंता

हासनः एन. एम. जगदीश, ग्रेड-1 सचिव

चित्रदुर्गः केजी जगदीश, अधीक्षक अभियंता

18 से ज्यादा जगहों पर ईडी की छापेमारी

कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम लिमिटेड में कथित अनियमितताओं के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कर्नाटक के पूर्व मंत्री बी नागेंद्र और कांग्रेस विधायक बी दद्दाल के आवासों पर 24 घंटे से ज्यादा वक्त तक छापेमारी की। ईडी ने निगम के बैंक खातों से 187 करोड़ रुपये के कथित अनधिकृत अनियमितताओं की जांच के तहत 18 से ज्यादा स्थानों पर एक साथ छापेमारी की।

हालांकि ईडी अधिकारियों ने आधी रात को तलाशी रोक दी, लेकिन टीमें छापेमारी वाली जगह पर मौजूद रहीं। गुरुवार सुबह 7 बजे निरीक्षण फिर से शुरू हुआ।

कर्नाटक सरकार ने मामले की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन भी किया है। कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि उनकी सरकार ईडी जांच में हस्तक्षेप नहीं करेगी।

हालांकि, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि ईडी की छापेमारी अनुचित थी।

जन हितैषी

जन हितैषी

भारत में प्रजनन क्षमता में कमी, चिंता का विषय

विश्व जनसंख्या दिवस पर दुनिया की आबादी को लेकर जो आंकड़े सामने आ रहे हैं, वे चिंता पैदा करने वाले हैं। भारत की बढ़ती आबादी को चिंता के रूप में देखा जा रहा है। जो सही नहीं है। पिछले 4 दशकों में भारत के लोगों की प्रजनन क्षमता में कमी देखने को मिल रही है। यह सही है, कि 75 साल में भारत की आबादी 100 करोड़ बढ़ी है। अगले 40 वर्षों तक भारत की जनसंख्या में और भी वृद्धि होगी। जनसंख्या के आंकड़ों को देखें, तो पिछले 40 वर्षों में भारत की प्रजनन क्षमता और जनसंख्या वृद्धि की दर में औसतन गिरावट देखने को मिल रही है। 1971 से 1981 के बीच में जनसंख्या वृद्धि दर 2.2 फ़ीसदी थी। जो 2011 में घटकर 1.5 फ़ीसदी रह गई थी। 2011 के बाद जनगणना नहीं हुई है। जनसंख्या वृद्धि की दर 2011 की तुलना में और कम हुई है। भारत में प्रजनन क्षमता मे लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। सामाजिक परिवर्तन बड़ी तेजी के साथ हो रहे हैं। भारत में पढ़े-लिखे युवा 28 से 30 साल की उम्र के बाद शादी कर रहे हैं। परिवारों के बीच में तनाव बढ़ गया है। सामाजिक व्यवस्थाएं तेजी के साथ बदलती जा रही हैं। लिंगानुपात में अंतर होने के कारण शादी के लिए कई राज्यों में महिलाओं का अनुपात बहुत कम है। जिसके कारण अब सामाजिक व्यवस्था के अनुसार सभी की शादियां नहीं हो पा रही हैं। जिसका असर जनसंख्या में पड़ने लगा है। मृत्यु दर पिछले दशकों की तुलना में वर्तमान में लगातार बढ़ रही है। पिछले 1 दशक में भारत में आत्महत्या और असामयिक मृत्यु दर बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। यह सही है, 2060 तक हम दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश होंगे। 2060 में हमारी हालत भी ठीक वैसे ही होगी। जैसे आज चीन की है। चीन में प्रजनन क्षमता बहुत घट गई है। पहले वहां जनसंख्या को नियंत्रित करने के लिए कड़े कानून बनाए गए थे। अब जनसंख्या बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन देना पड़ रहा है। भारत में भी परिवारों का आकार पहले की तुलना में बहुत छोटा हो गया है। पहले औसतन 5 से 6 बच्चे एक परिवार में होते थे। अब एक या दो बच्चे ही परिवार में होते हैं। प्रजनन क्षमता 25 सालों में तेजी के साथ घटी है। कृत्रिम गर्भाधान का सहारा लेना पड़ रहा है। विशेषज्ञों के अनुमान के अनुसार आगे चलकर जनसंख्या वृद्धि मात्र 1.29 फ़ीसदी रह जाएगी। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के ताजा आंकड़ों के अनुसार लिंग अनुपात में 100 महिलाओं पर 106.453 पुरुष हैं। भविष्य में यह अनुपात 101.944 हो जाने का अनुमान है। केरल जैसे राज्य में 1000 पुरुषों की तुलना में 1084 महिलाएं हैं। वहीं हरियाणा जैसे राज्य में 1000 पुरुषों पर मात्र 877 महिलाएं हैं। भविष्य में भारत की प्रजनन क्षमता में गिरावट और मृत्यु दर में जो वृद्धि हो रही है, उसका भी सामना हमें करना पड़ेगा। वर्तमान स्थिति के अनुसार 2.3 करोड़ जन्मदर प्रतिवर्ष है। वहीं मृत्यु दर बढ़कर प्रतिवर्ष 95 लाख से अधिक प्रतिवर्ष हो गई है। अगले 40 वर्षों में मृत्यु दर की तुलना में जन्म दर कम होगी। उस समय जनसंख्या सबसे बड़ी चिंता का विषय होगा। भारत से विदेश मे बड़ी तेजी के साथ पलायन हो रहा है। यूरोपीय और जापान जैसे देशों में जनसंख्या का संतुलन गड़बड़ा गया है। चीन में भी जनसंख्या का संतुलन बिगड़ गया है। सारी दुनिया के देशों में बूढ़े लोगों की संख्या बढ़ रही है। वहां की सामाजिक एवं सामुदायिक व्यवस्था संचालित करने के लिए लोग नहीं हैं। ऐसी स्थिति में भारत से लाखों की संख्या में हर साल भारतीय नागरिक विदेशों में जाकर नौकरी कर रहे हैं। वहां की नागरिकता ले रहे हैं। भारत में सबसे बड़ी युवा आबादी है। आज यही भारत की सबसे बड़ी ताकत है। सरकार को नीतियां इस तरह से बनानी चाहिए, जिसके कारण हम वैश्विक स्तर पर जनसंख्या का सही लाभ ले सकें। पिछले 30 वर्षों में चीन ने जिस तरह से अपनी जनसंख्या के बल पर सारी दुनिया के देशों में आर्थिक साम्राज्य स्थापित किया है। वह किसी से छिपा हुआ नहीं है। भारत की वर्तमान जनसंख्या ही भारत की सबसे बड़ी ताकत है। भारत के नागरिक जिस तरह से विदेशों में जाकर महत्वपूर्ण भूमिका का निर्बाह कर रहे हैं। वह किसी से छुपा हुआ नहीं है। विदेश मंत्रालय के अनुसार 1.58 करोड़ भारतीय नागरिक इन दिनों विदेशों में एनआरआई के रूप में रह रहे हैं। विदेशों में भारतीय मूल के तीन करोड़ 54 लाख लोग निवास कर रहे हैं। अमेरिका, कनाडा, यूनाइटेड किंगडम, यूएई में बड़ी संख्या में भारतीय मूल के लोग रह रहे हैं। इसके अलावा अन्य देशों में भी बड़ी संख्या में भारतीय नागरिक नौकरी और व्यापार के लिए पहुंच रहे हैं। भारत को जनसंख्या नियंत्रण के लिए जो भी नीति बनानी है, वह काफी सोच समझकर बनाई जानी चाहिए। जैसी हालत आज चीन की हो रही है, वैसी भारत की ना हो। सारे विश्व में जिस तरह से ए-आई तकनीक और रोबोट के माध्यम से नई सामाजिक व्यवस्था का निर्माण हो रहा है। उसका भी ध्यान रखना होगा। वर्तमान की युवा पीढ़ी शादी के बंधन में बंधना नहीं चाहती है। नाही वह किसी जिम्मेदारी को लेने के लिए तैयार है। ऐसी स्थिति में जो परिवर्तन आने वाले हैं। उनको दृष्टिगत रखते हुए संतुलन बनाए रखने की जरूरत है।

हाथरस भगदड़ : एक पहलू यह भी

गत 2 जुलाई को अलीगढ़ संभाग के अंतर्गत हाथरस ज़िले के सिकंदरा राव क्षेत्र के फुलराई गांव में भोले बाबा के नाम से प्रसिद्ध एक कथित बाबा के सत्संग के दौरान मची भगदड़ में मृतक श्रद्धालुओं की संख्या 121 से पार हो चुकी है। इसमें सबसे महत्वपूर्ण यह है कि 121 मृतकों में केवल महिलाओं की संख्या 112 बताई जा रही है जबकि शेष 9 मृतकों में सात बच्चे और दो पुरुष थे। वहां इतनी बड़ी संख्या में महिलाओं की मौजूदगी ने निश्चित रूप से उस कहावत को बलवती कर दिया है कि औरत का पीर कभी भूखा नहीं मरता। आज हमारे देश में बाबाओं की बाढ़ सी आई हुई है। सोशल मीडिया के इस युग में अनेक बहुरूपिये क्रिस्म के स्वयंभू बाबा प्रसिद्धि के शिखर पर पहुंचे हुये हैं। ऐसे कई स्वयंभू बाबा कैमरे के सामने कई बार अपनी मूर्खता व अज्ञान का प्रदर्शन करते भी देखे जा चुके हैं। परन्तु इसके बावजूद वहाँ भीड़ बढ़ती ही जा रही है। और इस भीड़ में सबसे अधिक संख्या निश्चित रूप से महिलाओं की होती है। और कहना ग़लत नहीं होगा कि इनमें अधिकांशत: अनपढ़,अज्ञानी व अशिक्षित महिलायें ही अधिक होती हैं। और पुरूषों में ज़्यादातर पुरुष भी वही होते हैं जो अपने घर परिवार की महिलाओं के आग्रह पर उनके साथ आते हैं।

आपने देखा होगा कि आमतौर पर जब कोई बाबा या प्रवचनकर्ता किसी नये स्थान पर जाकर सत्संग आयोजित करता है तो उस बाबा के पहुँचने से पहले उसकी मार्केटिंग टीम के सदस्य वहां पहुंचकर स्थानीय लोगों की मदद से सबसे पहले अधिक से अधिक संख्या में महिलाओं से संपर्क करते हैं। और आयोजन से पहले उन्हीं महिलाओं को सजधज कर आने के लिये कहा जाता है। फिर यही महिलायें श्रद्धापूर्वक अपने सर पर कलश रखकर नगर भ्रमण करती हैं। प्राय: कलश भी महिलायें अपना ही लेकर आती हैं। महिलाओं की इस क्लश यात्रा के दो पहलू हैं। भोली भाली धर्मभीरु महिलायें तेज़ धुप, सर्दी व बारिश की परवाह किये बिना पुण्यार्थ के फेर में सिर पर क्लश रखकर एक ही शारीरिक स्थिति में घंटों तक उस क्लश यात्रा का हिस्सा बनी रहती हैं। तो दूसरी तरफ़ चैन से कहीं ए सी में बैठे बाबा जी के प्रवचन व उनकी नगर उपस्थिति का मुफ़्त में प्रचार हो जाता है। अब यदि क्लश यात्रा के दौरान किसी महिला का स्वास्थ्य बिगड़ जाये या कोई हादसा हो जाये तो इसका ज़िम्मेदार कौन है कुछ नहीं पता।

हाथरस भगदड़ निश्चित रूप से देश की भगदड़ की कोई पहली घटना नहीं है। और ऐसा भी नहीं कि भगदड़ केवल भारत में ही मचती हो। दुनिया के कई देशों में भगदड़ व जान-माल के नुक़्सान होते रहे हैं। उदाहरण के तौर पर 30 अक्टूबर 2022 की रात में दक्षिण कोरियाई राजधानी सियोल में हैलोवीन समारोह के दौरान भगदड़ मची भगदड़ में 151 लोगों की मौत हुई थी। अप्रैल 1989 में ब्रिटेन में शेफील्ड के हिल्सबोरो स्टेडियम में लिवरपूल और नॉटिंघम फॉरेस्ट के बीच इंग्लिश एफ़ ए कप सेमीफ़ाइनल मैच के दौरान भगदड़ मच गई जिसमें 96 लोग मारे गए थे। जुलाई 1990 में सऊदी अरब में हज यात्रा के दौरान मक्का के पास अल-मुआइसिम सुरंग के अंदर, ईद-उल-अज़हा के दौरान भगदड़ में 1,426 हाजी कुचलकर मर गए।सऊदी अरब में ही मई 1994 में भी हज के दौरान दमरात ब्रिज के पास भगदड़ में 270 लोगों की मौत हो गई। फ़रवरी 2004 में भी ज़मारात पुल के पास हुई भगदड़ में 251 तीर्थयात्रियों की मौत हो गई थी। इसी तरह अप्रैल 1998 में भी सऊदी अरब में भगदड़ की घटना में 191 हाजियों की कुचलकर मौत हो गई थी। मई 2001 में अीक्रा में अकरा के मुख्य फुटबॉल स्टेडियम में मची भगदड़ में कम से कम 126 लोग मारे गए थे इसी तरह अक्टूबर 2022 में इंडोनेशिया के एक फ़ुटबॉल स्टेडियम में भगदड़ में कम से कम 125 लोगों की मौत हो गई थी।

इसी तरह हमारे दश में भी भगदड़ की अनेक घटनाएं घटी हैं परन्तु इनमें सर्वाधिक घटनायें केवल मंदिर या धर्म अथवा धार्मिक स्थलों से जुड़े आयोजनों की ही हैं। जैसे महाराष्ट्र के मंधारदेवी मंदिर में 2005 में हुई भगदड़ में 340 श्रद्धालुओं की मौत हो गयी थी। इसी तरह 2008 में राजस्थान के चामुंडा देवी मंदिर में हुई भगदड़ में कम से कम 250 लोगों की मौत हुई थी। 2008 में हिमाचल प्रदेश के प्रसिद्ध नैना देवी मंदिर में भी एक धार्मिक आयोजन के दौरान भगदड़ मच गयी थी जिसमें 162 लोगों की जान चली गई थी। महाराष्ट्र के नासिक ज़िले में सिंहस्थ कुंभ मेले में 27 अगस्त 2003 को पवित्र स्नान के दौरान भगदड़ में 39 लोग मारे गए थे। 4 मार्च 2010 को उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ ज़िले में कृपालु महाराज के राम जानकी मंदिर में भगदड़ मचने से लगभग 63 लोगों की मौत हो गई थी। भक्तों में उस समय कृपालु महाराज द्वारा दान किए जा रहे कपड़े और भोजन लेने की होड़ मच गयी थी। देश में ऐसी और भी अनेकानेक घटनाएं धार्मिक आयोजनों व धर्मस्थानों पर होती रही हैं।

ऐसे हर हादसे के बाद एक सवाल हर तरफ़ उठने लगता है कि इसका ज़िम्मेदार कौन है ? सरकार,प्रशासन, प्रवचनकर्ता (बाबा) आयोजनकर्ता या फिर ख़ुद जनता और जनता में भी ख़ासकर महिलायें ? ऐसे हादसों के बाद प्राप्त रिपोर्ट्स के अनुसार सामान्य रूप से यही कहा जाता है कि प्रशासन पर्याप्त प्रबंध नहीं करता। प्राय: आशा से अधिक लोग आते हैं जिससे लोगों के बैठने निकलने आने जाने में दिक़्क़त होती है। ना ही मौक़े पर एंबुलेंस रहती है, ना ही फ़ायर ब्रिगेड की टीम ना ही भीड़ के अनुसार पर्याप्त सुरक्षाकर्मी। अब यदि कोई अफ़वाह फैल जाये ,कोई अनहोनी हो जाये और भगदड़ मचे तो उसे कौन और कैसे नियंत्रित करेगा ? हाथरस हादसे में 121 मृतकों में केवल महिलाओं की संख्या 112 आने के बाद एक अलग ही बहस छिड़ गयी है। लोगों में आम चर्चा है कि यहाँ भगदड़ इसलिए हुई क्योंकि 'महिलाएं ढोंगी बाबाओं से आसानी से प्रभावित हो जाती हैं। इस हादसे के बाद हाथरस ज़िले के अनेक गांवों में महिलाओं के प्रति घृणा की लहर पैदा हो गई है। पुरुष महिलाओं पर बाबा का अनुयायी होने का आरोप लगा रहे हैं और इस तरह की राय व्यक्त कर रहे हैं कि महिलाओं को घर पर रहना चाहिए। इलाक़े के तमाम लोग यह कहते सुने गये कि अगर इतनी बड़ी संख्या में महिलाएं सत्संग में नहीं जातीं तो यह घटना नहीं होती। महिलायें ही बाबा के चरणों की धुल(रज) लेने के लिये अनियंत्रित हो गयीं जिससे भगदड़ मच गयी। लोगों का यह भी कहना था कि ''महिलाएं हमेशा आस्था में डूबी रहती हैं और चूँकि वे भावनात्मक रूप से कमज़ोर होती हैं इसलिये आसानी से किसी के भी झांसे में आ जाती हैं।आश्चर्य तो यह भी है कि दर्जनों ढोंगी बाबाओं के कुकर्मों का भंडाफोड़ होने के बाद तथा कई स्वयंभू अय्याश व्यभिचारी बाबाओं के जेल में सड़ने के बावजूद महिलाओं का इनसे मोह भांग होने का नाम नहीं ले रहा। ऐसे हादसों का एक पहलू यह भी है जिसे नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। (लेखिका -निर्मल रानी/ ईएमएस)

सादगी ही जिन्दगी का वास्तविक सौन्दर्य है

(राष्ट्रीय सादगी दिवस, 12 जुलाई 2024 पर विशेष:)

कहते हैं ना लाइफ जितनी सिंपल होगी उतनी ही अच्छी एवं आनन्दमय होगी। हर इंसान सुन्दर एवं आकर्षक दिखना चाहता है, दीखने में बनावटीपन है, प्रदर्शन है, अनुकरण है, जबकि वास्तविक सौन्दर्य सादगी में है। सबसे सुन्दर दिखने की चाह में एक इंसान दूसरे इंसान तक को नहीं छोड़ता। संतुलित, शांत, आनन्दयम एवं सार्थक जिन्दगी के लिये सादगी का बहुत महत्व है, इसलिये 12 जुलाई को राष्ट्रीय सादगी दिवस मनाया जाता है। यह दिवस लेखक और दार्शनिक हेनरी डेविड थोरो के सम्मान में मनाया जाता है। इसी दिन इनका जन्म हुआ था। थोरो को उनकी पुस्तक 'वाल्डेन' के लिए जाना जाता था, जो कॉनकॉर्ड, मैसाचुसेट्स में वाल्डेन तालाब के पास एक छोटे से केबिन में एक साधारण जीवन जीने के उनके अनुभवों का वर्णन करती है। उनका मानना था कि लाइफ को केवल पैसे और अनावश्यक चीजों को हासिल करने के लिए ही बस खत्म ना करें। बल्कि हमारा ध्यान नेचर, ज्ञान, सेल्फ डिपेंडेंट और खुद का रास्ता बनाने पर होना चाहिए, जिसके लिए सादगीपूर्ण जीवन जीना बहुत जरूरी है। जैसा कि थोरो ने खुद कहा था- ''जैसे-जैसे आप अपने जीवन को सरल बनाते जाएँगे, ब्रह्मांड के नियम सरल होते जाएँगे।'' हेनरी डेविड थोरो एक ऐसे व्यक्ति थे जो हर काम में माहिर थे, एक लेखक, एक पर्यावरणविद, एक उन्मूलनवादी, एक कवि, लेकिन आप शायद उन्हें अपने हाई स्कूल की अंग्रेजी कक्षा से एक पारलौकिकवादी के रूप में याद करते हों। वह और उनके समकालीन पारलौकिकवादी, सरल शब्दों में मानते थे कि लोगों के पास अपने बारे में ऐसा ज्ञान होता है जो उनके जीवन में सभी बाहरी ताकतों से परे होता है। वे उन भावनाओं से बेहतर तरीके से जुड़ने के लिए एक सरल जीवन जीने की वकालत करते थे।

महान् लोगों का मानना है कि प्रतिभा भगवान ने दी है, विनम्र रहें। प्रसिद्धि इंसान ने दी है, कृतज्ञ रहें। अहंकार खुद की देन है, इसलिए सजग रहें। जीवन में सरलता और सादगी बहुत जरूरी है। हमारे सपनों और खुशियों की हर राह शरीर से होकर ही गुजरती है, पर हम इसकी अनदेखी करते रहते हैं। नतीजा, मन के साथ शरीर से भी अस्वस्थ्य बन जाते हैं। बुद्ध कहते हैं, ''शरीर को स्वस्थ रखना हमारा कर्तव्य है। तभी मन मजबूत होगा और विचारों में स्पष्टता भी आएगी।'' बढ़ते कचरे को देखते हुए पश्चिमी देशों में 'मिनिमलिज्म' की बातें हो रही हैं। कम के साथ रहने की इस मिनिमलिस्टिक जीवनशैली का असर कपड़े, पैसे, कला, संगीत, सोच से लेकर इंटीरियर और मेकअप हर जगह अपनाने की कोशिशें बढ़ी हैं। हालांकि भारतीय दर्शन बहुत पहले से ही सादगी से जीने की तरफदारी करता रहा है। जैन दर्शन में बाकायदा इसके लिए 'अपरिग्रह' शब्द दिया गया है। यानी जरूरत भर की चीजों के साथ रहना। कम में गुजारा करना। कुल मिलाकर, थोड़े में जीना यानी प्यार, सादगी और सुकून से जीना। जिंदगी भी तो यही है।

सफल एवं सार्थक जीवन के सादगी का दर्शन एवं जीवनशैली बहुत जरूरी है। राष्ट्रीय सादगी दिवस हमारी जटिल दैनिक दिनचर्या की भागदौड़ से दूर रहने और जीवन में सरल चीजों की सराहना करने के लिए समर्पित है। हमारा जीवन तेज़ी से आगे बढ़ रहा है और व्यस्त होता जा रहा है। यह दिवस हमें बाहरी दुनिया से भीतर की ओर ले जाता है, जब हम एक कदम पीछे हटकर यह मूल्यांकन करते हैं कि हम कैसे जीवन को अधिक संतुलन बना सकते हैं, अव्यवस्था को दूर कर सकते हैं और खुद को अलग रख सकते हैं। आज तकनीक ने जितना हमारे जीवन को आसान बनाया है, उतना ही इसने हमें भटकाया भी है और जीवन के सभी क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धा पैदा की है। एक साधारण जीवन को सोशल मीडिया पर शायद ही कभी सुर्खियों में लाया जाता है। जापान जैसे कुछ देशों में, लोगों ने यह समझना शुरू कर दिया है कि अगर वे उन वस्तुओं से छुटकारा पा लें जो उनके किसी भी उद्देश्य की पूर्ति नहीं करती हैं, तो उनका जीवन अधिक खुशहाल और कम तनावपूर्ण हो सकता है।

आप सुबह समय पर उठने की आदत डालें और व्यायाम, भ्रमण या योगा करने की आदत डालें। इसके लिए आप 10 मिनट से इसे करने की आदत डालें फिर धीरे धीरे इसे बढ़ाएं। पढ़ना आपके तनाव को कम कर सकता है। साथ ही यह आपकी शब्दावली का विस्तार भी करता है। मानसिक तनाव को दूर कर आपको सकारात्मक बनाता है। जब भी आप खाना लेकर बैठें तो टीवी ना देखें। पूरी तरह से खाने पर ध्यान लगाएं। फोन की आदत को धीरे धीरे कम करें। आज की तेज-रफ्तार दुनिया में, हम अक्सर खुद को ज्यादा की जरूरत में फंसा हुआ पाते हैं। अब समय आ गया है कि हम बुनियादी बातों पर वापस लौटें। जीवन को सरल बनाने का मतलब सिर्फ कम चीजें रखना नहीं है, यह उन चीजों के लिए जगह खोलता है जो हमें वास्तव में हमें खुशी देती हैं। यह धुंध को दूर करता है, दैनिक अव्यवस्था यानी अस्त-व्यस्तता को कम करता है, तनाव को कम करता है और खुशी को बढ़ाता है। थोरो का जन्मदिन हमें सादगी में आनंद खोजने और अपनी जरूरतों और इच्छाओं पर पुनर्विचार करने के लिए प्रोत्साहित करता है। यह जीवन के सरल सुखों का आनंद लेने के लिए एक कदम पीछे हटने के बारे में भी है। लोग तकनीक से दूर रहकर, प्रकृति का आनंद लेते हुए और अपने घरों को साफ करके जश्न मनाते हैं। इसका लक्ष्य उस चीज पर ध्यान केंद्रित करना है जो वास्तव में मायने रखती है, शांति और संतुष्टि को बढ़ावा देना।

एक से एक अच्छी छूट का विज्ञापन देखकर मन चीजें खरीदने को आतुर हो उठता है। जरूरत हो या ना हो, बस सस्ती और आकर्षक जानकर हम वस्तुएं खरीद डालते हैं। नतीजा, फालतू वस्तुओं का ढेर लग जाता है। मोटिवेशनल कोच ल्यूमिनिटा कहती हैं, 'हम कुछ भी खरीदें, पूरी गंभीरता से खरीदें। कम खरीदना, कम उपयोग करना और खुद को उन वस्तुओं के प्रति समर्पित करना ही सादगी से जीना है।' सादा जीवन यानी आजाद जीवन। वह जीवन, जो आपको उस ओर बढ़ने की राह दिखाता है, जहां जुनून और उपलब्धियां हैं। जहां ऐसा कोई शोर-शराबा या अव्यवस्था नहीं होती, जो आपके रास्ते की बाधा बन जाए। तब आप केवल वही साथ रखते हैं, जो बेहद जरूरी है। कुछ लोगों के लिए सादा जीवन बिताना बहुत कठिन हो सकता है। हमें यही सिखाया गया है कि चीजों का संचय ही सफलता की निशानी है। इससे हम अकसर अत्यंत तनाव में और अपने जीवन की बेतरतीबी में इस तरह फंस जाते हैं कि किसी उद्देश्य, सार्थकता और खुशी के साथ जीना दूभर हो जाता है। सादगी भरा जीवन आपको वैसा जीवन गढ़ने में मदद कर सकता है, जो आपके लिए सबसे महत्वपूर्ण होता है, जो संतोषप्रद और सार्थक होता है। बात चाहे भौतिक पदार्थों की उपलब्धि की हो या आध्यात्मिक उपलब्धि की, जीवन में लक्ष्य तथा संकल्प सबसे जरूरी हैं। सादगीपूर्ण जीवन आपको अपने लक्ष्य, अपनी प्राथमिकताओं को पहचानने में मदद करता है। हेनरी डेविड थोरो का मानना था कि सादगी से जीवन जीने से हम अधिक खुश, अधिक उत्पादक और अधिक संतुष्ट हो सकते हैं। विचारक और दार्शनिक सदियों से इस पर विचार करते रहे हैं। वे हमेशा सरल जीवन जीने के सर्वोत्तम तरीके के बारे में सोचते रहे हैं, विशेषकर तब जब हमारी दुनिया अंतहीन समाचारों, प्रौद्योगिकी और कार्य की मांगों के साथ तेजी से आगे बढ़ रही है। यह उन चीजों को ना कहने के बारे में है जो मायने नहीं रखती हैं और उन चीजों को हाँ कहने के बारे में है जो मायने रखती हैं, जिससे आपका जीवन, परिवार और परिवेश खुशहाल बनता है। इस दृष्टिकोण के लिए जीवन के सभी पहलुओं के बारे में गहराई से सोचना जरूरी है ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि सबसे ज्यादा क्या मायने रखता है। थोरो का विचार कि एक साधारण जीवन खुशी की ओर ले जाता है, आज भी गूंजता एवं हमें प्रेरित करता है, हमें जीवन की अव्यवस्था को दूर करने और उस पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह करता है जो वास्तव में हमें खुशी देता है।(लेखक- ललित गर्ग/ईएमएस)

गुजारा भत्ता और गुजरे जमाने की राजनीति

तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं को गुजारा भत्ता देने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करने के साथ ही देश में कांग्रेस विरोधी सियासत भी शुरू हो गयी है। लेकिन उन लोगों का क्या होगा जो देश में मुस्लिम आबादी बढ़ने से बेहद परेशान नजर आ रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि सीआरपीसी की धारा 125 के तहत किसी भी महिला को गुजरा भत्ता देने की मांग कर सकती है ,इसमें धर्म कहीं भी आड़े नहीं आता।

माननीय सुप्रीम कोर्ट का फैसला ऐतिहासिक है या नहीं ,ये प्रमाणपत्र देने की जरूरत किसी राजनीतिक दल को नहीं है ,क्योंकि सुप्रीम कोर्ट किसी राजनितिक दल का अनुषांगिक संगठन नहीं है। ,लेकिन इस बात पर गौर जरूर की जाना चाहिए कि दस साल सत्ता में रहने के बाद भी भाजपा इस फैसले के बाद विपक्ष जैसी बयानबाजी कर रही है। भाजपा को एक बार फिर शाहबानो और राजीव गांधी याद आ गए हैं। इस फैसले के बहाने भाजपा एक बार फिर से कांग्रेस से सवाल करने लगी है। वजह सिर्फ एक है कि भाजपा इस फैसले को अपनी बैशाखी सरकार के खाते में दर्ज करना चाहती है। भाजपा भूल जाती है कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले किसी दल विशेष के फायदे या नुक्सान के लिए नहीं होते। वे व्यक्तियों से जुड़े होते हैं ,खासकर उन व्यक्तियों से जो माननीय अदालत की शरण में खड़े होने का साहस जुटाते हैं।

भला हो अब्दुल समद की पत्नी का जो उसने गुजारा भत्ता देने के तेलंगाना हाई कोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। तलाकशुदा महिला ने दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 125 के तहत फैमिली कोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसमें कहा गया था कि समद ने उसे तीन तलाक दिया है. फैमिली कोर्ट ने 20 हजार रुपये प्रति महीने गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया। माननीय सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने दो अलग-अलग लेकिन एकमत फैसलों में यह बात कही। जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि सीआरपीसी की धारा 125 सिर्फ शादीशुदा महिलाओं पर ही नहीं बल्कि सभी महिलाओं पर लागू होगी।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले राजनीतिक दलों के लिए सिलेक्टिवह हो सकते हैं लेकिन कानून के लिहाज से वे हमेशा उचित माने जाते हैं। तलाकशुदा महिलाओं को गुजारा भत्ता देने के माले में 10 जुलाई का फैसला इसलिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि 1985 में भी शाहबानो के मामले सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया था कि सीआरपीसी की धारा 125 सभी पर लागू होती है, चाहे उनका धर्म कुछ भी हो। हालांकि इस फैसले को तत्कालीन राजीव गाँधी सरकार ने , मुस्लिम महिला (तलाक पर अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 1986 लाकर इसे कमजोर कर दिया था जिसमें कहा गया कि मुस्लिम महिला केवल इद्दत के दौरान (तलाक के 90 दिन बाद) ही गुजारा भत्ता मांग सकती है।

मुझे याद आता है कि साल 2001 में सुप्रीम कोर्ट ने 1986 के अधिनियम की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा, लेकिन फैसला सुनाया कि तलाकशुदा पत्नी को गुजारा भत्ता देने का पुरुष का दायित्व तब तक जारी रहेगा जब तक वह दोबारा शादी नहीं कर लेती या खुद का भरण-पोषण करने में सक्षम नहीं हो जाती। बात 34 साल पुरानी है लेकिन गड़े मुर्दे उखाड़ने में दक्ष भाजपा सुप्रीम कोर्ट के ताजा फैसले का भी राजनीतिक लाभ लेने पर आमादा है। भाजपा की मजबूरी भी है कि वो इस फैसले का राजनीतिक इस्तेमाल करे क्योंकि हाल के लोकसभा चुनाव में मुस्लिम मतदाताओं ने भाजपा को सिरे से ख़ारिज करते हुए उसे बैशाखियों के सहारे चलने के लिए विवश कर दिया।

सवाल सुप्रीम कोर्ट के फैसले का नहीं है । सुप्रीम कोर्ट का फैसला 34 साल पहले के फैसले से भिन्न थोड़े ही है। फैसला तब भी सही था और आज भी सही है । गलत तो ये है कि मुस्लिमों को देश में दो नंबर का ही नहीं बल्कि संदिग्ध नागरिक मानने वाली भाजपा इस फैसले का सियासी इस्तेमाल कर रही है। भाजपा यदि सचमुच मुसलमानों की हितैषी है तो उसने लोकसभा चुनाव में मुसलमानों का हौवा खड़ा कर ध्रुवीकरण करने का दुस्साहस क्यों किया ? क्यों नहीं एक भी मुस्लिम को संसद का टिकिट दिया ? क्या आज के केंद्रीय मंत्रिमंडल में मुस्लिम समाज का कोई प्रतिनिधि है ? माननीय सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर भाजपा को बल्लियों उछलते देख कर मुझे तो हंसी आती है। आपकी आप जानें। क्योंकि मै किसी भी दल के दोहरे चरित्र पर केवल हंसने का साहस कर सकता हूँ फिर चाहे वो कांग्रेस हो या भाजपा। कांग्रेस की तत्कालीन राजीव गांधी सरकार ने 1986 में जो गलती की उसकी सजा कांग्रेस को देश की जनता और मुस्लिम समाज दे चुका है। अब कांग्रेस को एक बार से ज्यादा बार कैसे दी जा सकती है ?

देश के अवाम को ये जान लेना चाहिए कईकोर्ट का निर्णय कोर्ट का है किसी सत्तारूढ़ दल का नहीं। इस फैसले में भाजपा की कोई भूमिका नहीं है। इसलिए उसे इस फैसले पर सवाल करने का भी कोई हक नहीं बनता।भाजपा के साथ ही गोदी मीडिया भी सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर उसी तरह नुक्ताचीनी कर रहा है जैसा कि भाजपा कर रही है।इस मामले में क्या कोई ये बता सकता है की तीसरी बार सत्ता में आयी भाजपा ने तलाकशुदा महिलाओं को गुजाराभत्ता देने के लिए क्या कुछ किया ? भाजपा ने तो पिछले दस साल में मुसलमानों के खिलाफ जितना मुमकिन था उतना बुलडोजर संहिता का इस्तेमाल किया , भारतीय दंड संहिता का नहीं। ।मुस्लिम आरक्षण का विरोध किया। आज भी भाजपा शासित राजयों में मुसलमान निशाने पर है। भाजपा कभी मुसलमानों की रसोई में झांकती है तो कभी उनके हिजाब को लेकर वितण्डावात खड़ा करती है।

बहरहाल में मुस्लिम समाज की तमाम तलाकशुदा महिलाओं के हक में आये इस फैसले का तहेदिल से इस्तकबाल करता हूँ और भाजपा को भी इस बात के लिए शुक्रिया अदा करता हूँ कि उसकी सरकार ने सीआरपीसीमें धारा 125 बनी रहने दी,अन्यथा उसका क्या ,वो तो आईपीसी को बीएनएस डभारतीय न्याय संहिता .बना ही चुकी है। (लेखक - राकेश अचल / ईएमएस)

शब्द पहेली - 8061

बाएँ से दाएँ

1. ईसा मसीह-3
3. जवान,तरुण-3
5. आकाश,व्योम-2
6. परत,अस्तर-2
8. गर्जना,दहाड़ना-4
11. मदद,आराम-3
13. सुगंध,खुशबू-3
14. धूल,मिट्टी-2
15. छत्तीसगढ़ की राजधानी-2
16. पिता,आविष्कारक-3
18. नस्ल,जाति,प्रजाति-3
20. ओस,रजनीजल-4
23. भीगा हुआ-2
25. बल,ताकत,दम-2
26. तेल या घी में पकाना -3
27. मसाज-3

ऊपर से नीचे

1. रसना,जिव्हा-2
2. सचेत,सावधान-3
3. जरुरत,आवश्यकता-3
4. ऋतु,मौसम-2
5. दृश्य,तमाशा-3
7. कंठ,गला-3
9. रीती,रिवाज-2
10. प्रसिद्ध,नामवर-4
12. तीर रखने का पात्र-4
16. भूमि,धरा-3
17. खदान,माईन-2
19. तरंग,हिलोर-3
21. प्रवाहित करना-3
22. भीड़,समूह-3
24. राय,वोट-2
25. उत्साह,ललक-2

शब्द पहेली -8060 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

भारत और ज़िम्बाब्वे के बीच शनिवार को खेला जाएगा चौथा टी20

हरारे (ईएमएस)। भारत और ज़िम्बाब्वे के बीच चौथा टी20 क्रिकेट मुकाबला शनिवार को खेला जाएगा। भारतीय टीम अभी इस सीरीज में 2-1 से आगे है। भारतीय टीम का लक्ष्य इस मैच को जीतकर सीरीज में 3-1 की अपराजेय बढ़त हासिल करना रहेगा।

मेजबान टीम ने पहला जबकि भारतीय टीम ने दूसरा और तीसरा मैच जीता था। चौथा टी20 शाम 4:30 बजे से खेला जाएगा। दोनो ही टीमें इस मैच में जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। मेजबान टीम का लक्ष्य किसी प्रकार ये मैच जीतकर सीरीज में बराबरी पर आना रहेगा।

भारतीय टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रुतुराज गायकवाड़, अभिषेक शर्मा, रियान पराग, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, वाशिंगटन सुंदर, आवेश खान, मुकेश कुमार, खलील अहमद, रवि बिश्नोई, साई सुदर्शन, जितेश शर्मा , तुषार देशपांडे, हर्षित राणा, शिवम दुबे, यशस्वी जयसवाल, संजू सैमसन।

मसूद बने रहेंगे पाकिस्तान की टेस्ट टीम के कप्तान :पीसीबी, बाबर पर अभी फैसला नहीं हुआ

लाहौर (ईएमएस)। बल्लेबाज शान मसूद अभी पाकिस्तान टेस्ट टीम के कप्तान बने रहेंगे। पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अनुसार कोच जेसन गिलेस्पी भी मसूद को पद पर बनाये रखने से सहमत हैं। पाकिस्तान की टीम को इस साल अक्टूबर में तीन मैच की घरेलू टेस्ट सीरीज इंग्लैंड से खेलनी है। इसके अलावा उसके मुकाबले बांग्लादेश, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज से भी होने हैं।

पीसीबी की गत दिवस एक बैठक हुई थी जिसमें बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारियों के अलावा राष्ट्रीय चयनकर्ता, कोच गिलेस्पी व सीमित ओवरों के कोच गैरी कर्स्टन भी शामिल हुए थे। इस दौरान टी20 विश्व कप में टीम के खराब प्रदर्शन पर भी बातें हुईं। इसमें लाल और सफेद गेंद के प्रारूपों में राष्ट्रीय टीम के लिए एक बेहतर प्रायप तैयार करने पर भी बात हुई

इस दौरान टेस्ट कप्तान के तौर पर मसूद का सभी ने समर्थन किया। इसके बाद मसूद को अगस्त से जनवरी के बीच बांग्लादेश, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी सीरीजों के लिए टेस्ट कप्तान के रूप में बरकरार रखने पर फैसला हुआ।

बैठक में कहा गया कि सीमित ओवरों के कप्तान बाबर आजम पर फैसला बाद में लिया जाएगा। बाबर की कप्तानी में टीम को प्रदर्शन टी20 विश्वकप में बेहद खराब रहा और वह शुरुआत में ही बाहर हो गयी थी। ऐसे में माना जा रहा है कि उनकी कप्तानी संकट में है।

नीदरलैंड के डोइशे को सहयोगी स्टाफ के तौर पर रखना चाहते हैं गंभीर

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के नये मुख्य कोच गौतम गंभीर सहयोगी स्टाफ के तौर पर नीदरलैंड के पूर्व क्रिकेटर रियान टेन डोइशे को रखना चाहते हैं। गंभीर ने अपनी ये मांग क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सामने रखी है। डोइशे आईपीएल में केकेआर के लिए काम कर चुके हैं।डोइशे आईपीएल के अलावा अन्य फ्रेंचाइज़ी की सहायक कंपनियों कैरेबियन प्रीमियर लीग, मेजर लीग क्रिकेट और आईएलटी20 में भी कई पदों पर रहे हैं। जिनमें हैं। गंभीर पूर्व डच क्रिकेटर को अपने प्रमुख सहयोगी के रूप में चाहते हैं।

इस मामले में अब बीसीसीआई को फैसला करना है। बोर्ड ने हाल ही में कोचिंग भूमिकाओं के लिए केवल भारतीय को नियुक्त करने का पक्ष लिया था जिसे अब उसके बदलना होगा। इससे पहले कहा जा रहा था कि पूर्व ऑलराउंडर और केकेआर में सहयोगी स्टाफ के तौर पर रहे अभिषेक नायर, सहायक कोच के तौर पर गंभीर की टीम से जुड़ सकते हैं।

वहीं अगर डोइशे को रखा जाता है तो वह क्या भूमिका निभा सकते हैं, ये अभी देखना होगा। इसका कारण है कि बीसीसीआई मौजूदा कोचिंग टीम के सदस्य टी दिलीप को ही फील्डिंग कोच के पद पर बनाए रखना चाहता है। अब यह देखना होगा कि बोर्ड गंभीर की ये मांग मानना है या नहीं।

गौतम गंभीर टीम इंडिया के नए मुख्य कोच बन चुके हैं। करीब-करीब आठ साल बाद गौतम गंभीर गंभीर पहले भी कई बार कह चुके हैं कि उनके दिमाग में सिर्फ जीत चलती है, जिसके लिए वो कुछ भी करने को तैयार हैं। गंभीर का रिकॉर्ड भी ये साबित करता है। गंभीर जानते हैं कि बड़े मुकाबलों में कैसे सबसे बेहतर प्रदर्शन करना होता है।

लोरेंजो विम्बलडन के सेमीफाइनल में पहुंचे

लंदन (ईएमएस)। इटली के लोरेंजो मुसेत्ती जीत के साथ ही पहली बार विम्बलडन टेनिस चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंच गये हैं। लोरेंजो ने क्वार्टर फाइनल में अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज को हराया। अब सेमीफाइनल में उकना सामना सर्बिया के नोवाक जोकोविच से होगा। लोरेंजो ने साढे तीन घंटे तक चले मुकाबले में 3-6, 7-6, 6-2, 3-6, 6-1 से फ्रिट्ज को हराया।

मुसेत्ती पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम में चौथे दौर से आगे पहुंचे हैं पर अब उनकी राह बेहद कठिन है क्योंकि उनके विरोधी जोकोविच 13वीं बार विम्बलडन विजेता होने के साथ ही विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी भी हैं।

यूरोप कप फुटबॉल के फाइनल में होगा इंग्लैंड और स्पेन का मुकाबला

डॉर्टमंड (ईएमएस)। इंग्लैंड की टीम नीदरलैंड को 2-1 से हराकर यूरो फुटबॉल चैम्पियनशिप 2024 के फाइनल में पहुंच गयी है। अब खिताबी मुकाबले में वह स्पेन से खेलेगी। इस मैच में इंग्लैंड की ओर से विजयी गोल ओली वाटकिंस ने किया। हैरी केन की जगह आये वाटकिंस ने स्टॉपेज टाइम के पहले ही मिनट में गोल कर अपनी टीम को मुकाबले में आगे कर दिया। वहीं जूड बेलिंगघम ने स्टॉपेज टाइम में बराबरी का गोल किया था।

अतिरिक्तस समय में वॉटकिंस को कोल पामर से एक पास मिला और उन्होंने गोल करने में गलती नहीं की। वहीं इससे पहले जावी सिमंस ने नीदरलैंड्स को मैच के सातवें मिनट में ही 1-0 की बढ़त दिला दी थी। इसके 11 मिनट बाद इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन ने पेनल्टी को गोल में बदल कर स्कोर बराबर किया। इंग्लैंड ने स्लोवाकिया को अंतिम 16 के मुकाबले में हराया और स्विटजरलैंड को पेनल्टी शूट आउट में हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

इंग्लैंड ने आखिरी बार 1966 विश्व कप में खिताबी जीत दर्ज की थी जिसके बाद से टीम कोई बड़ा मुकाबला नहीं जीत सकी है। वाटकिंस इससे पहले इस बार यूरो चैम्पियनशिप में डेनमार्क के खिलाफ ग्रुप मैच में सब्स्टीटयूट के तौर पर उतरे थे। स्पेन यूरो 2024 में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीम रही है। यह एकमात्र टीम है, जिसने अपने सभी मैच जीते हैं और 13 गोल किए हैं, जो यूरोपीय चैंपियनशिप में सबसे ज्यादा गोल करने के स्पेनिश रिकॉर्ड के बराबर और फ्रांस के 1984 में बनाए गए रिकॉर्ड से एक गोल कम है।

जडेजा सहित कुछ खिलाड़ी हो सकते हैं बाहर , श्रेयस को मिल सकता है अवसर

मुम्बई (ईएमएस)। गौतम गंभीर के भारतीय क्रिकेट टीम के नए मुख्य कोच बनने के साथ ही टीम में बदलाव होने भी तय हैं। ऐसे में जहां कुछ युवा खिलाड़ियों को टीम में जगह मिल सकती है। वहीं अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे अनुभवी खिलाड़ियों को बाहर होना पड़ सकता है। इन खिलाड़ियों में ऑलरांडर रविन्द्र जडेजा भी हैं। जडेजा टीम के मैच विजेता खिलाड़ी रहे हैं पर पिछले काफी समय से वह लय में नहीं हैं। उनकी बल्लेबाजी और गेंदबाजी पहले जैसी नहीं रही। ये लगातार देखने में आया है। मैदान में वह गेंदबाजी के दौरान विकेट नहीं ले पा रहे। दूसरी और उनका बल्ला भी खामोश है। ऐसे में माना जा रहा है कि उनकी जगह कोई युवा खिलाड़ी ले सकता है। भारतीय टीम के युवा खिलाड़ी जिम्बाब्वे में खेल रहे हैं और उन्हीं में से किसी खिलाड़ी को जडेजा की जगह मिल सकती है।

वहीं टीम से बाहर चल रहे अजिंक्य रहाणे की संभावनाएं भी अब तकरीबन समाप्त हो गयी हैं। रहाणे पहले ही टी20 और एकदिवसीय प्रारुप से बाहर हो गये थे। अब गंभीर के आने के बाद उनकी टेस्ट फॉर्मेट में भी वापसी संभव नहीं है क्योंकि अब वह 36 साल के हो गये हैं और गंभीर ऐसे खिलाड़ियों को रखना चाहेंगे जो लंबे समय तक रहे। इसके अलावा टेस्ट बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा की वापसी की संभवना भी समाप्त हो गयी है। पुजारा पिछले काफी समय से टीम से बाहर हैं और उनकी उम्र भी 36 साल की हो गयी है। ऐसे में उनका कैरियर भी अब समाप्त है। दूसरी ओर श्रेयस अय्यर की वापसी की संभावनएं प्रबल हो गयी हैं। श्रेयस को घरेलू क्रिकेट नहीं खेलने के बाद टीम से बाहर कर दिय गया था हालांकि उन्होंने एकदिवसीय विश्वकप में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। श्रेयस आईपीएल विजेता केकेआर टीम के कप्तान हैं जबकि गंभीर इसी टीम के मेंटोर रहे हैं और उन्हें पसंद करते हैं। ऐसे में अब श्रेयस की वापसी की अच्छी संभावनाएं बन रही हैं।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही मुनाफावसूली हावी रहने से आई है। गम दिवस भी बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ था।

वहीं आज सुबह बाजार की शुरुआत तेजी के साथ हुई पर कुछ समय बाद ही ये नीचे आने लगा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 27.43 अंक करीब 0.03 फीसदी नीचे आकर 79,897.34 पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) निफ्टी भी 8.50 अंक तकरीबन 0.03 फीसदी टूटकर 24,315.95 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 30 शेयरों में 16 शेयर लाभ के साथ ही उपर आकर बंद हुए। आईटीसी , टाटा मोटर्स, एशियन पेंट्स, एसबीआई और टाइटन के शेयरों को सबसे ज्यादा लाभ हुआ। वहीं टाटा स्टील, इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक, एचसीएल टेक, कोटक बैंक, बजाज फिनसर्व, टीसीएस, टेक महिंद्रा, इंफोसिस, रिलायंस और जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयरों में बढ़त रही।

दूसरी ओर सेंसेक्स के 30 शेयरों में 14 शेयर लाल नुकसान के साथ ही बंद हुए। बजाज फाइनेंस, एमएंडएम, एनटीपीसीसी, नेस्ले इंडिया और पावर ग्रिड सेंसेक्स के शेयरों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। सन फार्मा, एलएंडटी, अल्ट्राटेक सीमेंट, भारती एयरटेल, मारुति, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक अदाणी पोर्ट्स और एचयूएल के शेयर गिरे।

वहीं दूसरी ओर एशियाई बाजारों की बात करें तो सियोल, टोक्यो, शंघाई और हांगकांग में बढ़त रही इसके अलावा यूरोपीय बाजार में भी सकारात्मक माहौल रहा। गत दिवसय अमेरिकी बाजार बढ़त पर बंद हुए थे।

इससे पहले आज सुबह घरेलू शेयर बाजार बढ़त के साथ खुला। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आया है। आज सुबह 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 142 अंक या 0.18 फीसदी ऊपर आकर 80,066.57 के स्तर पर पहुंच गया, वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 0.20 फीसदी तकरीबन 50 अंक उछलकर 24,373.95 के स्तर पर कामकाज कर रहा था।

निफ्टी स्मॉलकैप 0.31 फीसदी जबकि मिडकैप 0.29 फीसदी उछला। वहीं सेक्टोरल आधार पर, निफ्टी आईटी 0.69 फीसदी की बढ़त के साथ सबसे सुबह गिफ्ट निफ्टी भी बढ़त पर कारोबार करता दिखा। यह लगभग 24,395 के आसपास कारोबार कर रहा था, जो निफ्टी वायदा के पिछले बंद स्तर से लगभग 55 अंक के प्रीमियम पर है। वहीं घरेलू इक्विटी बेंचमार्क सूचकांक लगभग आधा फीसदी टूटकर बंद हुए, जिसमें निफ्टी 50 24,400 के स्तर से नीचे समाप्त हुआ।

दुबई में भारतीय डॉक्टर ने किया 4 साल की बच्ची का लिवर ट्रांसप्लांट

दुबई (ईएमएस)। दुबई के बुर्जिल मेडिकल सिटी हॉस्पिटल में डॉ रेहान सेफ के नेतृत्व में 4 साल की एक बच्ची का लिवर ट्रांसप्लांट किया गया है। दुबई में यह पहली सर्जरी है। जिसमें जीवित लीवर दानदाता का लीवर का ट्रांसप्लांट किया गया। दुबई में भारतीय डॉक्टरों द्वारा जो स्वास्थ्य सेवाएं दी जा रही हैं। उसके कारण दुबई में भारतीय डॉक्टर के प्रति एक नया विश्वास देखने को मिल रहा है।

सोने और चांदी की बढ़त के साथ शुरुआत

नई दिल्ली (ईएमएस)। घरेलू बाजार में गुरुवार को सोने चांदी की कीमतों में तेजी आई है। सोने के वायदा कारोबार में आज बढ़त रही है। दोनों के वायदा भाव आज बढ़त पर खुले। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव की कमजोर शुरुआत हुई पर चांदी के वायदा भाव की शुरुआत बढ़त पर रही। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्सा) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त अनुबुध 147 रुपये की बढ़त के साथ 72,815 रुपये के भाव पर खुला। ये एक समय 72,849 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 72,805 रुपये के भाव पर दिन के निचला स्तर पर पहुंचा। सोने के वायदा भाव ने इस साल 74,442 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर हासिल किया।

चांदी के वायदा भाव की शुरुआत आज अच्छी रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर अनुबंध 568 रुपये की तेजी के साथ 93,400 रुपये पर खुला। एक समय ये 93,520 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 93,325 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर पर पहुंचा।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। हालांकि बाद में इसके भाव ठीक हो गये। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कामेक्स पर सोना 2,377.39 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला क्लोजिंग प्राइस 2,379.70 डॉलर प्रति औंस था। कामेक्स पर चांदी के वायदा भाव 31.07 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव प्राइस 31.01 डॉलर था।

चुनाव के कारण मकानों की बिक्री में गिरावट

मुंबई (ईएमएस)। देश के शीर्ष आठ शहरों में मकानों की बिक्री में अप्रैल-जून में पिछली तिमाही की तुलना में छह प्रतिशत की गिरावट देखी गई है। एक फर्म ने गुरुवार को आवासीय मांग और आपूर्ति के तिमाही आंकड़े जारी किए। आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-जून की अवधि में आवासीय बिक्री छह प्रतिशत कम होकर 1,13,768 इकाई रह गई, जबकि इसके पहले जनवरी-मार्च तिमाही में यह 120,642 इकाई थी। हालांकि, अप्रैल-जून में आवासीय बिक्री 42 प्रतिशत बढ़ी, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में 80,245 इकाईयां बिकी थीं। फर्म के जानकारों ने कहा, आम चुनाव के कारण अप्रैल-जून में मकानों की मांग में कमी आई, हालांकि मजबूत बुनियादी बातों के कारण रियल एस्टेट निवेश के प्रति उपभोक्ता भावना बेहद सकारात्मक बनी हुई है।

केंद्र में मोदी सरकार के गठन के बाद निवेश-समर्थक केंद्रीय बजट की उम्मीदों के बीच हमारे पास यह मानने की वजह है कि आगामी तिमाहियों में खासकर त्यौहारी महीनों में बिक्री में मजबूती आएगी।रिपोर्ट में शामिल आवासीय बाजार अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद, कोलकाता, दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (गुरुग्राम, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद तथा फरीदाबाद), मुंबई महानगर क्षेत्र (मुंबई, नवी मुंबई तथा ठाणे) और पुणे हैं।

महाराष्ट्र में बेहतर बारिश से......सोयाबीन की बंपर बुआई

78.54 फीसदी फसलों की बुआई हुई

मुंबई (ईएमएस)। मॉनसून की बेहतर चाल से देशभर में खरीफ फसलों की बुआई तेज हो रही है। चालू फसल सीजन में महाराष्ट्र में फसलों की बुआई रिकॉर्ड बनाने की ओर अग्रसर है। महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा सोयाबीन की बुआई हुई है, जो सोयाबीन का रकबा पिछले साल की तुलना में करीब चार गुणा अधिक है।

वहीं कुल फसलों का रकबा पिछले साल की तुलना में लगभग तीन गुणा अधिक है। जून और जुलाई में बेहतर बारिश की वजह से महाराष्ट्र में अब तक 78.54 फीसदी खरीफ फसलों की बुआई हो चुकी है। महाराष्ट्र कृषि विभाग के अनुसार चालू खरीफ सीजन में फसलों की बुआई 8 जुलाई तक करीब 112 लाख हेक्टेयर में हो चुकी है, जबकि पिछले साल इस समय तक राज्य में खरीफ फसलों का रकबा 41 लाख हेक्टेयर के करीब था। फसलों की शानदार बुआई से खुश कृषि विभाग अधिकारी कहते हैं कि इस साल राज्य में 100 फीसदी से अधिक बुआई होगी।

पूरे खरीफ सीजन के कुल रकबा का अभी प्रदेश में करीब 78.54 फीसदी क्षेत्र में फसलों की बुआई हो चुकी है, जबकि पिछले साल 8 जुलाई तक सिर्फ 28.62 फीसदी ही खरीफ फसलों की बुआई हो सकी थी। कृषि अधिकारियों का कहना है कि इस साल बुआई का पैटर्न सही रास्ते पर है और अगले कुछ हफ्तों में खरीफ बुआई के तहत औसत क्षेत्र तक पहुंचने की संभावना है। जून और जुलाई में हुई बारिश की वजह से राज्य में अब तक बुआई अच्छी रही है।

चालू सीजन में सबसे ज्यादा बुआई सोयाबीन की हुई है। पिछले साल पूरे खरीफ सीजन के दौरान किसानों ने करीब 50 लाख हेक्टेयर में सोयाबीन की बुआई की थी। अभी तक राज्य में सोयाबीन का रकबा 43.19 लाख हेक्टेयर पहुंच चुका है, जबकि पिछले साल इस समय तक राज्य में सोयाबीन का रकबा 11.07 लाख हेक्टेयर था। कृषि मंत्रालय के अधिकारियों के मुताबिक राज्य में 100 फीसदी से अधिक बुआई करने वाली यह पहली फसल है। राज्य में सबसे ज्यादा छत्रपति संभाजीनगर में सोयाबीन की बुआई 5.34 लाख हेक्टेयर में हुई है, जबकि यहां औसत बुआई 3.78 लाख हेक्टेयर में होती है। इसके अलावा, पुणे जिले सहित पश्चिमी महाराष्ट्र क्षेत्र के कई जिलों में पिछले कुछ सालों में सोयाबीन की अच्छी बुआई हुई है।

ब्रिटेन में चीनी पर लगाया टैक्स, दिखने लगे सकारात्मक परिणाम

लंदन (ईएमएस)। ब्रिटेन में चीनी पर टैक्स लगाने से बच्चों में चीनी की रोजाना खपत में करीब 5 ग्राम और वयस्कों में 11 ग्राम की कमी देखी गई है। अध्ययन के अनुसार, 50 से ज्यादा देशों ने सॉफ्ट ड्रिंक (शीतल पेय पदार्थों) पर चीनी टैक्स लागू किया है, ताकि निर्माताओं को अपने प्रोडक्ट्स को दुबारा तैयार करने के लिए प्रेरित किया जा सके। ब्रिटेन में चीनी पर अप्रैल 2018 में लागू हुआ था। शोधकर्ताओं ने सर्वे से 7 हजार 999 वयस्कों और 7 हजार 656 बच्चों के 11 वर्षों के आंकड़ों का विश्लेषण किया।

रिपोर्ट के अनुसार, ब्रिटेन में चीनी टैक्स लागू होने के एक साल बाद बच्चों ने भोजन और पेय से मिलने वाली चीनी की मात्रा में प्रतिदिन लगभग 5 ग्राम (10 प्रतिशत) की कमी कर दी। वहीं वयस्कों ने रोजाना करीब 11 ग्राम (20 प्रतिशत) की कमी कर दी। इस कुल मात्रा का आधे से ज्यादा हिस्सा अकेले शीतल पेय पदार्थों से आता है, जो बच्चों में करीब3ग्राम रोजाना और वयस्कों में लगभग 5 ग्राम प्रतिदिन है। वहीं बच्चों और वयस्कों में प्रोटीन का सेवन स्थिर रहा।

शोधकर्ताओं ने बताया कि बच्चों में रोजाना 4.8 ग्राम चीनी की कमी करी 2,000 किलो कैलोरी के प्रतिदिन सेवन में से करीब 19.2 किलो कैलोरी के बराबर है, जो ऊर्जा सेवन में लगभग एक प्रतिशत की कमी के बराबर है। इस बात के पर्याप्त सबूत हैं कि चीनी-मीठे पेय पदार्थों के सेवन से विशेष रूप से बच्चों में वजन बढ़ने, टाइप 2 डायबिटीज, कोरोनरी हार्ट डिजीज और समय से पहले मृत्यु का खतरा बढ़ जाता है। शोधकर्ताओं के अनुसार, फ्री शुगर लेवल से कुल रोजाना ऊर्जा का सेवन अभी भी विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की अपडेटेड रिकमेंडेशन 5 प्रतिशत से ज्यादा है, जो वयस्कों के लिए 30 ग्राम रोजाना, 7-10 वर्ष के बच्चों के लिए 24 ग्राम और 4-6 वर्ष के बच्चों के लिए 19 ग्राम के बराबर है।

यस बैंक में हिस्सेदारी खरीदने की विदेशी बैंकों में होड़

मुंबई (ईएमएस)। यस बैंक में हिस्सेदारी खरीदने के लिए दुनिया के कई बैंकों और कंपनियों ने रुचि दिखाई है। रिपोर्ट्स के अनुसार बैंक में 51 प्रतिशत हिस्सेदारी के लिए पश्चिम एशिया और जापान के कई बैंकों ने दिलचस्पी दिखाई है। साथ ही कई पीई कंपनियों की भी यस बैंक पर नजर है। बाजार जानकारों का कहना है कि यह डील 8 से 9.5 अरब डॉलर की हो सकती है।

हालांकि बैंक का कहना है कि अभी 51 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने के लिए आरबीआई की ओर से कोई सैद्धांतिक मंजूरी नहीं मिली है। यस बैंक में एसबीआई, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक और एक्सिस बैंक की 33.74 फीसदी हिस्सेदारी है। बैंक में एसबीआई की सबसे ज्यादा 23.99 फीसदी हिस्सेदारी है।

सूत्रों के मुताबिक यस बैंक में 51.69 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने की होड़ में फर्स्ट अबु धाबी बैंक पीजेएससी, मित्सुबिशी यूएफजे फाइनेंशियल ग्रुप और सुमितोमो मित्सुई फाइनेंशियल ग्रुप सबसे आगे हैं। साथ ही कुछ पीई कंपनियों ने भी इसमें दिलचस्पी दिखाई है। बैंक में एफडीआई की 17.95 फीसदी और एफपीआई की 10.28 फीसदी हिस्सेदारी है। घरेलू बैंक यस बैंक में अपनी हिस्सेदारी बेचना चाहते हैं। 5 मार्च, 2020 को आरबीआई ने यस बैंक के बोर्ड को भंग कर दिया था। इसके बाद भारतीय बैंकों ने बैंक को बचाने के लिए 10,000 करोड़ रुपये लगा दिए थे। इसमें एसबीआई की हिस्सेदारी 6,050 करोड़ रुपये थी।

पैसा लगाने के बाद एसबीआई को यस बैंक में 48.2 फीसदी हिस्सेदारी मिली थी। लेकिन पिछले चार साल में एसबीआई धीरे-धीरे बैंक में अपनी हिस्सेदारी कम की है। इस बीच मूडीज ने यस बैंक के आउटलुक को स्थिर से पॉजिटिव कर दिया है।

लाहौर हाईकोर्ट की पहली महिला चीफ जस्टिस बनीं आलिया नीलम

लाहौर(ईएमएस)। पाकिस्तान के लाहौर हाईकोर्ट में गुरुवार को आलिया नीलम ने चीफ जस्टिस पद की शपथ ली। पंजाब प्रांत के न्यायिक इतिहास में ये पहली बार है जब कोई महिला शीर्ष पद पर बैठी है। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने बुधवार को उनकी नियुक्ति की मंजूरी दी। जस्टिस आलिया नीलम को पंजाब गर्वनर सरदार सलीम हैदर खान ने शपथ दिलाई। इस दौरान पंजाब की पहली महिला सीएम मरियम नवाज भी मौजूद थीं। 58 साल की आलिया नीलम पाकिस्तान के न्यायिक इतिहास में दूसरी ऐसी महिला हैं जिन्होंने चीफ जस्टिस का पद संभाला है। सबसे पहले 2018 में सईदा ताहिरा सदरफ ने बलूचिस्तान हाई कोर्ट में चीफ जस्टिस का पद संभाला था। पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट में 2021 में पहली बार जस्टिस आयशा ए. मलिक की नियुक्ति हुई थी।

चीन के वाणिज्यिक वाहक रॉकेट का उड़ान परीक्षण असफल

जिउक्वान (ईएमएस)। चीन की एक निजी अंतरिक्ष कंपनी के वाणिज्यिक वाहक रॉकेट एसक्यूएक्स-1 वाई8 का गुरुवार को उड़ान परीक्षण असफल रहा। रॉकेट ने उड़ान के दौरान असामान्य प्रदर्शन किया, रॉकेट को जिउक्वान उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र से सुबह 7:40 बजे छोड़ा गया था। असफल परीक्षण की जांच की जा रही है।

इटली में भीषण लू के लिये रेड अलर्ट जारी

रोम (ईएमएस)। इटली के विभिन्न शहरों में गुरुवार को भीषण लू के लिये रेड अलर्ट जारी हुआ। स्वास्थ्य मंत्रालय ने रोम, वेनिस और फ्लोरेंस जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों सहित 13 शहरों में भीषण लू के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया और गुरुवार को सात शहरों और शुक्रवार को 11 शहरों के लिए रेड अलर्ट जारी किया, जबकि अन्य शहरी क्षेत्र इसी अवधि में ऑरेंज अलर्ट के तहत रहे। इटली के मौसम अधिकारियों ने बताया कि इस सप्ताह के दौरान तापमान लगभग 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने के आसार हैं और दक्षिणी सिसिली तथा सार्डिनिया के सबसे बड़े द्वीपों में तापमान इससे भी अधिक होने का अनुमान है।

बगदादी की पत्नी को फांसी की सजा

बगदाद(ईएमएस)। इराक की एक अदालत ने आईएसआईएस के पूर्व चीफ अबू बकर अल-बगदादी की पत्नी अस्मा मोहम्मद को फांसी की सजा सुनाई है। अलजजीरा के मुताबिक अस्मा मोहम्मद को यजीदी महिलाओं की किडनैपिंग में बगदादी का साथ देने के आरोप में दोषी पाया है। अबू बकर अल-बगदादी 2014 से आईएसआईएस का लीडर था। अमेरिका ने 27 अक्टूबर 2019 को स्पेशल ऑपरेशन के जरिए सीरिया में घुस कर उसे मार डाला था। इराक की सुप्रीम ज्यूडिशियल काउंसिल ने बताया कि अस्मा को आतंकवाद विरोधी कानून के तहत हिरासत में रखा गया है।

अस्मा ने यजीदी महिलाओं को अपने घर में छुपाया और बाद में उन्हें आईएसआईएस को दे दिया था। 2014 में आईएसआईएस ने महिलाओं को जबरन वेश्यावृत्ति में धकेल दिया था। अल बगदादी ने 2014 में इस्लामिक स्टेट की बुनियादी रखी थी। इसके बाद उन्होंने सीरिया और इराक के एक बड़े इलाके पर कब्जा कर लिया था।

सऊदी एयरलाइंस के प्लेन में आग लगी

-विमान में थे 276 यात्री सवार और 21 क्रू मेंबर

पेशावर(ईएमएस)। सऊदी एयरलाइंस की फ्लाइट में पाकिस्तान के पेशावर एयरपोर्ट पर गुरुवार को आग लगा। इसमें 10 लोग जख्मी हो गए। हादसा तब हुआ जब विमान लैंडिंग कर रहा था। यात्रियों और कैबिन क्रू के सभी सदस्यों को इमरजेंसी गेट से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। फ्लाइट रियाद से पेशावर आई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, लैंडिंग गियर में कुछ खराबी के चलते ये हादसा हुआ। हालांकि, अब तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

सऊदी एयरलाइंस 792 में 276 यात्री सवार थे। इसके अलावा, 21 क्रू मेंबर थे। एयर ट्रैफिक कंट्रोलर मुताबिक, लैंड होने के बाद विमान से धुंआ निकलता दिखाई दिया। इसके बाद पायलट को इसकी जानकारी दी। इसके साथ ही फायर एंड रेस्क्यू सर्विस को भी इसकी जानकारी दी गई। आग लगने की सूचना मिलने के बाद दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंची। आनन-फानन में इस आग को बुझाया गया। विमान से सभी यात्रियों और क्रू को सकुशल बाहर निकाला गया।

इजराइल ने जारी किया गाजा सिटी खाली करने का फरमान

तेलअवीव(ईएमएस)। इजराइल ने गाजा सिटी में रह रहे लोगों को गाजा सिटी को खाली करने का फरमान जारी कर दिया है। इजरायली सेना नॉर्थ गाजा में ऑपरेशन चला रही है, जिस बीच सेना ने यह फरमान जारी किया। विमान के जरिए गाजा सिटी पर पर्चे गिराए गए जिन पर लिखा था, गाजा सिटी में हर किसी को सुरक्षित मार्गों के माध्यम से ''खतरनाक युद्ध क्षेत्र'' को छोड़ने का निर्देश दिया जाता है। साथ ही कहा गया कि दो सड़क दीर अल-बलाह और अल-जवैदा की मदद से साउथ की तरफ चले जाए। इन दो मार्गों को सुरक्षित बताया गया।संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा, ''नागरिकों की रक्षा की जानी चाहिए। युद्ध शुरू होने के बाद यह दूसरी बार है कि गाजा शहर को खाली करने के लिए कहा गया है। पिछले दिनों में, इजरायली सेना ने स्कूलों में यह कह कर हमला किया कि उनको लगा था कि स्कूल में हमास के आंतकवादी छुपे हैं। गाजा सिटी में 250,000 लोग रहते हैं। जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल है। एक साथ इतने सारे लोगों का साउथ गाजा की तरफ जाना कोई आसान बात नहीं है। दूसरी तरफ दोनों देशों के बीच युद्धविराम की बात जारी थी। अमेरिका, मिस्त्र और कतर इजराइल और हमास के बीच मध्यस्था कराने की कोशिश में लगे हुए हैं। कतर की राजधानी दोहा में इजरायली अधिकारियों के साथ अमेरिका, मिस्त्र और कतर ने मुलाकात की थी, जिसमें लंबे समय से संघर्ष विराम समझौते और इजरायली जेलों में बंद फिलीस्तीनियों के लिए हमास द्वारा बंदियों की अदला-बदली की मांग की गई थी।

अब इंसानी दिमाग पर भी होगा नियंत्रण, ब्रेन चिप के जरिए सोचने भर से होंगे काम

सैन फ्रांसिस्को (ईएमएस)। टेस्ला के सीईओ एलोन मस्क एक ऐसी तकनीकी पर काम कर रहे हैं जिससे इंसानी दिमाग को नियंत्रित किया जा सकता है। इसके लिए कई कंपनियां काम कर रही हैं। 'न्यूरालिंक' उन्ही में से एक है। यह कंपनी न्यूरल इंटरफेस टेक्नोलॉजी पर काम करती है। यह कंपनी अपने पहले रोगी के बाद अब दूसरे रोगी का ब्रेन चिप के जरिए टेस्ट करने जा रही है। टेस्ला के सीईओ एलोन मस्क ने कहा कि न्यूरालिंक, अपने दूसरे रोगी के टेस्ट आगे बढ़ रही है। क्योंकि, दिमाग और कंप्यूटर को जोड़ने वाली तकनीक तेजी से आगे बढ़ रही है। दरअसल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक लाइव स्ट्रीम के दौरान, एलन मस्क और न्यूरालिंक की टीम ने ब्रेन ट्रांसप्लांट को व्यापक रूप से उपलब्ध कराने में कंपनी की तरक्की से जुड़े सवालों का जवाब दिया।

दरअसल न्यूरालिंक, एक ऐसी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस पावर्ड माइक्रो चिप है जो ब्रेन की एक्टिविटी को रिकॉर्ड और पढ़ सकती है। खास बात है कि इसकी मदद से लोगों को दिमागी अक्षमता को दूर करने में मदद मिलेगी। कंपनी का दावा है कि यह चिप आपके मन के विचारों को जान सकती है। एलन मस्क का कहना है कि वह इस तकनीक के जरिए लोगों को सुपर पावर देना चाहते हैं, साथ ही वे चाहते हैं कि मानव मस्तिष्क सामान्य से और अधिक कुशलता के साथ काम करे।

इससे पहले जनवरी में, न्यूरालिंक ने एक व्यक्ति के मस्तिष्क में डिवाइस का सफलतापूर्वक ट्रांसप्लांट किया था। यह व्यक्ति गोताखोरी के दौरान हुई दुर्घटना में कंधे से नीचे तक लकवाग्रस्त हो गया था। न्यूरालिंक में हुए इम्प्लांटेशन के बाद इस व्यक्ति ने शतरंज, वीडियो गेम खेलने और अपने मस्तिष्क से कंप्यूटर स्क्रीन को नियंत्रित किया। एलन मस्क का टेक्नोलॉजी में बड़ा इंटरेस्ट है और वे इस क्षेत्र में हमेशा कुछ नया करने की सोच रखते हैं। न्यूरालिंक उनकी इसी सोच का नतीजा है। न्यूरल इंटरफेस टेक्नोलॉजी वाली ये कंपनी अपनी एक खास चिप को लेकर काफी चर्चा में है।

सुनीता विलियम्स को पूरा भरोसा....सकुशल घरती पर लौटूंगी

वॉशिंगटन (ईएमएस)। बोइंग स्टारलाइनर कैप्सूल के द्वारा अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स स्पेस में गई थीं। लेकिन स्पेसक्राफ्ट में कुछ खराबी आने के बाद वे लगभग एक महीने से ज्यादा समय से स्पेस में फंसी हुई हैं। सुनीता और बुच विल्मोर ने विश्वास जताया है कि बोइंग का स्पेस कैप्सूल हाल ही में आई खराबी के बावजूद उन्हें सुरक्षित पृथ्वी पर पहुंचा देगा। सुनीता और बुच बोइंग के नए स्टारलाइनर कैप्सूल में सवार होने वाले पहले व्यक्ति हैं, जो पिछले महीने की शुरुआत में अंतरिक्ष में गए थे। स्पेस स्टेशन से जुड़ने से पहले उन्हें हीलियम लीक और थ्रस्टर में खराबी का सामना करना पड़ा था। इस खराबी ने उनकी वापसी को पटरी से उतार दिया।

इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में उन्होंने खराबी के बावजूद अपनी वापसी की आशा व्यक्त की। दोनों ने अपने मिशन के अप्रत्याशित विस्तार को लेकर शिकायत नहीं की। उन्होंने जोर दिया कि उन्हें स्टेशन चालक दल की सहायता करने में मजा आ रहा है। विलियम्स ने कहा, मेरे दिल में यह भावना है कि अंतरिक्ष यान हमें घर ले आएगा, कोई समस्या नहीं। दोनों अंतरिक्ष यात्री 5 जून को एक फ्लाइट टेस्ट के तहत कक्षा में गए थे। शुरुआत में ये मिशन आठ दिनों तक चलने वाला था।

सुनीता ने स्पेस में एक हैरान करने वाली चीजें देखी हैं। उन्होंने कक्षा से एक छोटे तूफान को चक्रवात बनते देखा है। विलियम्स और बुच ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने अफ्रीका के पश्चिमी तट पर तूफान को विकसित होते देखा, जो बाद में टेक्सास को प्रभावित करने वाले शक्तिशाली तूफान बेरिल में बदल गया। उन्होंने कहा, मैंने वास्तव में एक तूफान की तस्वीर ली थी जो चक्रवात बनने से डेढ़ सप्ताह पहले अफ्रीका के पश्चिमी तट पर था और मुझे यकीन है कि यही बाद में तूफान बेरिल बन गया।

दिल्ली के दिलवाले वीआईपी नंबरों के लिए खर्च कर रहे लाखों रुपए

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली में लोग महंगी गाड़ियों के ही नहीं बल्कि वीआईपी नंबरों के भी दीवाने हैं। लोग पसंदीदा नंबर लेने के लिए लाखों खर्च कर रहे हैं। कई बार लोग वाहन से भी ज्यादा खर्च वीआईपी नंबर लेने के लिए कर देते हैं।

जानकारी के अनुसार मार्च में वीवीआईपी नंबर- 0001 वाहन लाइसेंस प्लेट की नीलामी में 23.4 लाख रुपये की बोली लगी। राशि से दो प्रीमियम हैचबैक या एक अच्छी एसयूवी खरीदी थी। एक हास्पिटैलिटी फर्म ने 0001 नंबर प्लेट के लिए जून 2017 में 16 लाख का भुगतान किया, जो एक रिकार्ड है। इससे पहले रिकार्ड 12.5 लाख का था, सितंबर 2014 में भी इस नंबर के लिए बोली लगी थी। जेम्स बांड और एम एस धोनी (जर्सी नंबर 7 और जन्मदिन 7 जुलाई) के साथ जुड़ाव के कारण 0007 पर भी ऊंची बोली लग रही है।आप सरकार के परिवहन विभाग के आंकड़ों से साफ होता हैं कि 0001 को मार्च में शानदार बोली लगी, जो इस साल जून तक सभी मासिक नीलामियों में सबसे अधिक है। 0009 जून में 11 लाख रुपये में बिककर सूची में दूसरे स्थान पर था जबकि 0007 ने जनवरी की नीलामी में 10.8 लाख रुपये कमाए।

गौरतलब है कि परिवहन विभाग हर सीरीज में 0001 से लेकर 9999 के बीच कई नंबर की वीवीआईपी नंबर के रुप में पहचान करती है। इन नंबरों को विभाग कई श्रेणियों में बांटते हैं और इसकी कीमत भी अलग-अलग होती है। हालांकि वीवीआईपी नंबर के वाहन पर कोई फायदा या छूट नहीं होती, यह केवल स्टेटस सिंबल की तरह है और इसीलिए लोग इसके लिए लाखों रुपये खर्च कर डालते हैं।

हरियाणा में इनेलो के साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी बसपा

लखनऊ (ईएमएस)। हरियाणा के विधानसभा चुनाव के लिए बहुजन समाज पार्टी ने इंडियन नेशनल लोकदल के साथ गठबंधन का एलान कर दिया है। इसकी घोषणा खुद बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती ने की। उन्होंने कहा कि बहुजन समाज पार्टी व इण्डियन नेशनल लोकदल मिलकर हरियाणा में होने वाले विधानसभा आमचुनाव में वहां की जनविरोधी पार्टियों को हराकर अपने नये गठबंधन की सरकार बनाने के संकल्प के साथ लड़ेंगे।

बसपा सुप्रीमों ने कहा कि इनेलो के प्रधान महासचिव अभय सिंह चौटाला आदि तथा बीएसपी के आनन्द कुमार, नेशनल कोआर्डिनेटर आकाश आनन्द व पार्टी के राज्य प्रभारी रणधीर बेनीवाल की बुधवार को हुई प्रेसवार्ता से पहले दोनों पार्टियों के बीच नई दिल्ली में मेरे निवास पर गठबंधन को लेकर सफल वार्ता हुई। हरियाणा में सर्वसमाज-हितैषी जनकल्याणकारी सरकार बनाने के संकल्प के कारण इस गठबंधन में एक-दूसरे को पूरा आदर-सम्मान देकर सीटों आदि के बंटवारे में पूरी एकता व सहमति बन गई है। मुझे पूरी उम्मीद है कि यह आपसी एकजुटता जन आशीर्वाद से विरोधियों को हरा कर नई सरकार बनाएगी। बता दें कि बसपा लोकसभा चुनाव 2024 में यूपी में एक भी सीट नहीं जीत सकी। वहीं, यूपी विधानसभा में भी पार्टी का सिर्फ एक ही विधायक है।

रुस से टक्कर लेने नाटो को करना होगा ये तैयारी : बाइडन

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने रूस के तेजी से रक्षा उत्पादन बढ़ाने के तहत उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के सदस्य देशों से अपने औद्योगिक आधार को मजबूत करने का आह्वान किया। राष्ट्रपति बाइडन ने नाटो शिखर सम्मेलन के सत्र के दौरान कहा कि नाटो देशों ने दो साल पहले अपनी प्रतिरोधक क्षमता और रक्षा प्रणाली को आधुनिक बनाने का फैसला किया था।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, इस समय रूस तेजी से अपने रक्षा उत्पादन में बढ़ोतरी कर रहा है। वह हथियारों, वाहनों और युद्ध सामग्री का उत्पादन तेजी से बढ़ा रहा है। रूस, चीन, उत्तर कोरिया और ईरान की मदद से अपनी रक्षा क्षमता को और मजबूत कर रहा है। जहां तक मेरा विचार है, हमारे संगठन को भी ऐसी स्थिति में पीछे नहीं रहना चाहिए। बाइडन ने कहा, मुझे बहुत खुशी है कि आज नाटो के सभी सदस्य हमारे औद्योगिक आधार और औद्योगिक क्षमता का विस्तार करने का संकल्प ले रहे हैं। ऐसा पहली बार हुआ है कि नाटो का हर सदस्य देश अपने रक्षा उत्पादन को और बढ़ाने का संकल्प ले रहा है।

विकसित यूरोपीय राष्ट्रों में निर्वाचित नेताओं के प्रति बढ़ी नाराजी

- आर्थिक असमानता से बढ़ रही है नाराजी

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति धनी राष्ट्रों में निर्वाचित नेताओं के प्रति आम लोगों की नाराजी बढ़ रही है। राजनेताओं पर नागरिकों को अब भरोसा नहीं रहा। यह बात प्यू रिसर्च सेंटर के सर्वे में सामने आई है। सर्वे में अमेरिका के 80 फ़ीसदी नागरिकों ने कहा है, निर्वाचित नेता नागरिकों की परवाह नहीं करते हैं। चुनाव प्रणाली दोषपूर्ण है। उसमें सुधार करने की जरूरत है। यूरोपीय देशों के लोगों में नेताओं के प्रति असंतोष बढ़ रहा है। युवा और शिक्षित वर्ग वर्तमान राजनीति से नाराज है। इसकी सबसे बड़ी वजह आर्थिक असमानता है। सरकारों द्वारा आर्थिक असमानता को कम करने के स्थान पर पूंजीपतियों के हित मे नीतियां बनाने से आर्थिक और सामाजिक असमानता बढ़ी है। न्याय व्यवस्था को लेकर भी नागरिकों में नाराजी बढ़ रही है। जिन देशों की उच्च आय बेहतर है। वहां पर महिलाओं और बुजुर्गों के अधिकारों को लेकर लगातार उपेक्षा हो रही है। नेताओं के प्रति नागरिकों की नाराजी बढ़ती जा रही है। जो लोकतंत्र के लिए बड़ी चुनौती माना जा रहा है।

दुनिया के देशों में लोकतंत्र के प्रति आस्था कम हो रही है। 2021 में आर्थिक रूप से श्रमद्ध 12 राष्ट्रों मे लोकतंत्र के प्रति संतुष्टि के जवाब में 49 फीसदी औसत था। जो 2024 में घटकर 36 फीसदी रह गया है। दुनिया भर में लोकतंत्र के प्रति आस्था को लेकर सबसे ज्यादा असंतोष ब्रिटेन में पाया गया है। 2021 में 60 फ़ीसदी लोग लोकतांत्रिक व्यवस्था से संतुष्ट थे, 2024 में यह घटकर 21 फ़ीसदी पर आ गया है। दक्षिण कोरिया में 36 फीसदी लोग लोकतंत्र से खुश हैं। 2021 में यह आंकड़ा 53 फ़ीसदी था। अमेरिका और जापान में लोकतंत्र पर लोग अब कम भरोसा कर रहे हैं।दोनों देशों में 31 फ़ीसदी लोग ही लोकतांत्रिक प्रक्रिया को लेकर अपना विश्वास जता रहे हैं। कनाडा में भी 14 फ़ीसदी लोगों की लोकतंत्र के प्रति आस्था पिछले तीन वर्षों में कम हुई है.

विकासशील और गरीब देशों, जिसमें सिंगापुर में 80 फ़ीसदी, भारत में 77 फ़ीसदी, थाईलैंड में 64 फ़ीसदी, ऑस्ट्रेलिया में 60 फीसदी, फिलिपींस में 57 फ़ीसदी नागरिक लोकतंत्र के प्रति अभी भी आस्था जता रहे हैं। दुनिया के देशों में जिस तरह से आर्थिक असमानता बढ़ रही है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में जिस तरह से पूंजीवाद का प्रभाव बढ़ रहा है। सरकारी नीतियां पूंजीवादियों के हित में तैयार की जा रही हैं। उसके कारण वर्तमान की लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं से लोगों का मोह भंग होने लगा है।

पैसों की लालच में रूसी सेना में सहायक कर्मी के रूप में भर्ती हुए हैं भारतीय

मॉस्को(ईएमएस)। भारत के कई युवा रुस की सेना के लिए काम कर रहे हैं। वे सिर्फ सेना की मदद के लिए हैं। वे सीधे तौर पर लड़ाई नहीं लड़ रहे हैं। उन्हे पैसों की जरुरत है और वे पर्यटन वीजा के आधार पर रुस में रह रहे हैं। रूस के दूतावास प्रभारी रोमन बाबुश्किन ने कहा कि मॉस्को कभी नहीं चाहता था कि भारतीय उसकी सेना का हिस्सा बनें और संघर्ष के संदर्भ में उनकी संख्या नगण्य है। बाबुश्किन ने कहा कि इस मुद्दे को राजनीतिक रंग नहीं दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, हम पूरी तरह स्पष्ट कर देते हैं कि हमने कभी नहीं चाहा कि भारतीय रूस की सेना में शामिल हों। आप इस पर रूस के अधिकारियों द्वारा कभी कोई घोषणा नहीं देखेंगे। रूसी राजनयिक ने कहा कि ज्यादातर भारतीयों की नियुक्ति एक कमर्शियल फ्रेमवर्क के तहत की गई थी क्योंकि वे धन अर्जित करना चाहते थे। उन्होंने कहा कि भारतीयों की 50, 60 या 100 संख्या, व्यापक संघर्ष के संदर्भ में कोई महत्व नहीं रखती।

एक सवाल के जवाब में उन्होंने संवाददाताओं से कहा, हम इस मुद्दे पर भारत सरकार के साथ हैं। हमें उम्मीद है कि इस मुद्दे का जल्द समाधान होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के समक्ष इस मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाया, जिसके बाद रूस ने रूसी सेना में सहायक कर्मियों के रूप में कार्यरत भारतीय नागरिकों की शीघ्र रिहाई और स्वदेश वापसी सुनिश्चित करने का वादा किया था और इसके एक दिन बाद बाबुश्किन का बयान आया। उन्होंने कहा, वे विशुद्ध रूप से वाणिज्यिक कारणों से आए थे और हम उन्हें भर्ती नहीं करना चाहते थे। बाबुश्किन ने कहा कि सहायक कर्मी के रूप में भर्ती अधिकतर भारतीय अवैध तरीके से काम कर रहे हैं क्योंकि उनके पास काम करने के लिए उपयुक्त वीजा नहीं है। उन्होंने कहा कि उनमें से अधिकतर पर्यटक वीजा पर रूस आए थे।

रोबोट भावनाओं को समझ सकता है और रिएक्ट भी कर सकता है -चीन ने अपने नए आविष्कार से मचा रखा है तहलका

बीजिंग (ईएमएस)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के चलते रोबोट्स को इंसानों के काफी करीब पहुंचाया जा चुका है। हालांकि अब वो भी हो रहा है, जिनकी हमने कल्पना भी नहीं की थी। दुनिया का पहला ऐसा रोबोट बनाया जा चुका है, जिसे लेकर दावा किया जा रहा है कि वो इंसानी भावनाओं को समझ सकता है और उसके मुताबिक रिएक्ट भी कर सकता है।

ये काम अपने ही पड़ोसी देश चीन के वैज्ञानिकों ने कर दिखाया है। चीन ने अपने नए आविष्कार से तहलका मचा रखा है। उसने गुआनगुआ नं 1 नाम का रोबोट बनाया है, जो सिर्फ मशीन नहीं है बल्कि इंसान के दुख-दर्द में उसके साथ भी रह सकता है। इसे वर्ल्ड आर्टिफिशियल इंटेलीलेंस कान्फ्रेंस में पेश किया गया। फुडान यूनिवर्सिटी की ओर से बनाए गए इस रोबोट की खासियत ये है कि इंसानों की भावनाओं को पहचानकर वैसी ही प्रतिक्रिया दे सकता है। इसके अंदर चार भावनाएं हैं – खुशी, गुस्सा, दुख और आनंद। इस मशीन को बनाने वालों का दावा है कि ये बुजुर्गों के लिए बहुत फायदेमंद है। फुडान यूनिवर्सिटी के डिप्टी डीन गान झोनगक्यू ने बताया कि बुजर्गों की सेवा और उनका ध्यान रखने के लिए ये ह्यूमेनॉइड रोबोट बनाया गया है, जो सेहत का साथी होगा। ये न सिर्फ उनकी शारीरिक ज़रूरतों बल्कि मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य का भी ध्यान रखेगा।

इमोशनल इंटेलिजेंस वाले इस रोबोट को देखकर लोग हैरान हो रहे हैं। बता दें कि एक वक्त था, जब छोटे-बड़े सारे काम के लिए इंसानों पर ही निर्भर होना पड़ता था। विज्ञान की प्रगति के साथ-साथ हमारा परिचय रोबोट्स से हुआ, जो फटाफट काम निपटा सकते हैं। यही वजह है कि हर इंडस्ट्री में इन्हें इस्तेमाल किया जा रहा है। इनके आने से हमें बहुत से फायदे भी हुए हैं और बहुत से नुकसान भी। हालांकि अब भी कई चीज़ें ऐसी हैं, जो रोबोट नहीं कर सकते लेकिन इंसान कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने विकसित भारत का पहला विकसित राज्य बनाने के 'गुजरात गुणवत्ता संकल्प' का शुभारंभ किया

गांधीनगर 11 जुलाई : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने यह साफ किया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत2047' के विजन को साकार करने में गुजरात क्वालिटी यानी गुणवत्तापूर्ण सेवा और सुविधाओं के माध्यम से अग्रणी बनने को तैयार है। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण की मूलभूत शर्त क्वालिटी अर्थात गुणवत्ता है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया और स्किल इंडिया जैसे अभियानों को शानदार सफलता मिली है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने विश्वास व्यक्त किया कि अब 'मोदी है तो मुमकिन है' के विचार के साथ मोदी 3.0 सरकार गुणवत्ता के मामले में भी देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी, और गुजरात इसमें अग्रणी योगदान देगा। मुख्यमंत्री ने यह बात भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया-क्यूसीआई) की ओर से गुरुवार को अहमदाबाद में आयोजित 'गुजरात गुणवत्ता संकल्प' एजेंडा परिसंवाद सत्र का उद्घाटन करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने संतुष्टिकरण और विकास की राजनीति से एक नया इतिहास रचा है। उन्होंने कहा कि योजनाओं के सेचुरेशन से यह सुनिश्चित हुआ है प्रत्येक योजना का लाभ जरूरतमंद लाभार्थियों तक अवश्य पहुंचे। ऐसे जनहित एवं राष्ट्रसेवा के संकल्प के साथ जब गुणवत्ता जुड़ती है, तब जीवन जीने की सुगमता अर्थात ईज ऑफ लिविंग में वृद्धि होती है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने तीसरे कार्यकाल में भारत को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का संकल्प किया है, इसमें सभी क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण आउटपुट (उत्पाद) के लिए हम सभी को तैयार रहना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि गुजरात प्रधानमंत्री के सारे आह्वानों को स्वीकार कर विकास का रोल मॉडल और 'गेटवे टू द फ्यूचर' बन गया है, जिसे और भी तेज गति से आगे बढ़ानेकेलिए 'विकसित गुजरात 2047' का रोडमैप तैयार किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक पॉलिसी ड्रिवन स्टेट के रूप में गुजरात ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, लॉजिस्टिक हैंडलिंग कैपेसिटी और ढांचागत सुविधाओं के कारण प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) और स्टार्टअप में लगातार तीन वर्षों से अग्रणी राज्यों में से एक है। इसके साथ ही, फॉर्च्यून 500 कंपनियों में से लगभग 100 कंपनियां गुजरात में संचालित हैं, अब हमारा लक्ष्य है कि आने वाले समय में सेमीकंडक्टर, ग्रीन एनर्जी और निर्यात क्षेत्र में भी गुजरात देश का नेतृत्व करे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया की यह शुरुआत गुजरात के 5जी विकास मॉडल यानी गुणवान गुजरात, ग्रीन गुजरात, ग्लोबल गुजरात, गतिशील गुजरात और गर्वित गुजरात में गुणवत्ता का एक और 'जी' जोड़कर गुजरात को देश का पहला विकसित राज्य बनाने के संकल्प में एक नई दिशा देगी। मुख्यमंत्री ने गुणवत्ता सुधार के विभिन्न विषयों पर फलदायी चर्चा सत्रों के आयोजन और इस पूरे समारोह के लिए आयोजकों को बधाई दी।

उद्घाटन सत्र में क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष श्री जक्षय शाह ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि यह हमारे लिए खुशी की बात है कि जिस तरह से ऐतिहासिक दांडी यात्रा की शुरुआत गुजरात से हुई थी, उसी तरह गुणवत्ता क्षेत्र में आमूल परिवर्तन लाने के लिए गुणवत्ता यात्रा भी गुजरात से शुरू हो रही है।

इस अवसर पर उद्योग एवं खान विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री एस.जे. हैदर, मुख्यमंत्री के सलाहकार श्री एस.एस. राठौर, क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया के महासचिव श्री चक्रवर्ती टी. कन्नन, मुख्य सलाहकार श्रीमती हेमगौरी भंडारी, गुजरात चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (जीसीसीआई) के अध्यक्ष श्री अजयभाई पटेल, कॉन्फेडरेशन ऑफ रियल एस्टेट डेवलपर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (क्रेडाई) के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शेखर पटेल, एस्ट्रॉल लिमिटेड के संस्थापक और चेयरमैन श्री संदीप इंजीनियर, एसोसिएटेड चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एसोचैम) के चेयरमैन श्री चिंतन ठाकर, भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) गुजरात राज्य परिषद के अध्यक्ष श्री राजीव गांधी, दक्षिणी गुजरात चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष श्री विजय मेवावाला, कई विधायक और देश-विदेश के विशेषज्ञ मौजूद रहे।

ऑस्ट्रेलिया की डीकिन यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रो. इयान मार्टिन तथा कॉन्सुलेट जनरल पॉल मर्फी ने मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से भेंट की

गांधीनगर 11 जुलाई, 2024 : ऑस्ट्रेलिया की डीकिन यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रो. इयान मार्टिन ने भारत स्थित ऑस्ट्रेलिया के कॉन्सुलेट जनरल श्री पोल मर्फी औरडीकिन यूनिवर्सिटी की वाइस प्रेसिडेंट (ग्लोबल अलायंस) तथा सीईओ (साउथ एशिया) सुश्री रवनीत पाहवा के साथ गुरुवार को गांधीनगर में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल से भेंट की।

इस अवसर पर श्री मार्टिन ने कहा कि राज्य सरकार के सक्रिय सहयोग एवं प्रो-एक्टिव दृष्टिकोण के कारण डीकिन यूनिवर्सिटी गिफ्ट सिटी में यूनिवर्सिटी शुरू करने की प्रारंभिक प्रक्रिया से लेकर यूनिवर्सिटी परिसर का निर्माण एवं पाठ्यक्रम शुरू करने तक की समग्र प्रक्रिया केवल 18 माह की अल्पावधि में पूर्ण कर सकी। उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

श्री पटेल ने इस बात पर आनंद व्यक्त किया कि इस प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा क्रियान्वित की गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप शिक्षा सुविधाओं एवं पाठ्यक्रमों की पहल की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गिफ्ट सिटी को फिनटेक हब बनाने के साथ हायर एजुकेशन फैसेलिटीज का भी हब बनाने की दिशा में राज्य सरकार आगे बढ़ना चाहती है। इसके लिए उन्होंने डीकिन यूनिवर्सिटी को आवश्यक सहयोग के लिए तत्परता व्यक्त की।

इस संदर्भ में डीकिन यूनिवर्सिटी द्वारा गिफ्ट सिटी में एजुकेशन, स्किलिंग एंड अप स्कीलिंग, स्किल डेवलपमेंट, टीचर्स एजुकेशन, रिसर्च एंड डेवलपमेंट, स्कूल एजुकेशन बहुधा विषयों को शामिल करने वाले पाठ्यक्रम शुरू किया जाना विचाराधीन है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि इससे गुजरात में एजुकेशन सेक्टर में एक नई ही प्रतिभा विकसित करने वाला इकोसिस्टम बनेगा।

श्री भूपेंद्र पटेल ने इस बैठक में चर्चा के दौरान आगामी ओलंपिक 2036 के आयोजन के लिए गुजरात की तैयारियों का विवरण देते हुए जोड़ा कि ऑस्ट्रेलिया के पास मेलबर्न व सिडनी में ओलंपिक आयोजन एवं उसके लिए जरूरी इन्फ्रास्ट्रक्चर व उसके दीर्घावधि उपयोग का जो अनुभव व ज्ञान है, उसका लाभ ऑस्ट्रेलिया गुजरात को भी दे।

प्रो. मार्टिन ने भी इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उनकी यूनिवर्सिटी फिनटेक सेंटर के तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में एनहैंसमेंट एक्टीविटीज के पाठयक्रम गिफ्ट सिटी के यूनिर्सिटी कैम्पस में शुरू करने वाली है। उन्होंने कहा कि देशभर के राज्यों के विद्यार्थी यहाँ उच्चाभ्यासार्थ प्रवेश ले रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया के विद्यार्थी इस यूनिवर्सिटी परिसर में शिक्षा के लिए आएँ तथा गिफ्ट सिटी कैम्पस के छात्र ऑस्ट्रेलिया जाएँ;इसके लिए स्टूडेंट एक्सचेंज एंड कनेक्ट प्रोग्राम भी शुरू करने की उनकी उत्सुकता है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने ऑस्ट्रेलियाई कॉन्सुलेट जनरल श्री पॉल मर्फी के साथ बातचीत में रिन्यूएबलन एनर्जी;विशेषकर ग्रीन एनर्जी, ग्रीन हाइड्रोजन, विंड एनर्जी आदि क्षेत्रों में ऑस्ट्रेलिया के साथ मिल कर कार्य करने की संभावना की दिशा में भी परामर्श किया। मुख्यमंत्री ने श्री मर्फी को कच्छ में निर्माणाधीन सबसे बड़े हाइब्रिड रिन्यूएबल एनर्जी पार्क का विवरण भी दिया। इतना ही नहीं;इस बैठक में गुजरात तथा न्यू साउथ वेल्स के बीच हुए सिस्टर स्टेट एग्रीमेंट को आगे बढ़ाने के लिए एसओपी तैयार करने पर भी विचार-विमर्श हुआ। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव श्री पंकज जोशी, उद्योग विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री एस. जे. हैदर, मुख्यमंत्री की सचिव श्रीमती अवंतिका सिंह तथा वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

गुजरात पर राहुल गांधी ने किया फोकस, संगठन में होगा बदलाव

अहमदाबाद, ११ जुलाई। लोकसभा चुनाव में एक सीट पर जीत व अन्य कई सीटों पर लीड घटाने में सफलता से नेताओं, कार्यकर्ताओं का आत्मविश्वास बढ़ा है। बनासकांठा जिले की विस्तृत कारोबारी की बैठक में शामिल गुजरात कांग्रेस प्रभारी मुकुल वासनिक, प्रदेश अध्यक्ष शक्ति सिंह गोहिल व अन्य नेता। गुजरात की २६ में से एक बनासकांठा लोकस भा सीट पर कांग्रेस को जीत मिलने और अन्य कई सीटों पर भाजपा प्रत्याशियों की लीड घटाने में सफल रहने पर पार्टी आलाकमान, प्रदेश नेतृत्व और कार्यकर्ताओं का आत्मविश्वास बढ़ा है। इस आत्मविश्वास को बनाए रखनेऔरआगामी विधानसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए कांग्रेस अभी से तैयारी में जुट गई है।

खुद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुजरात पर फोकस किया है। वे न सिर्फ कांग्रेस कार्यकर्ताओं का आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए अहमदाबाद आए थे, बल्कि लगातार ध्यान भी दे रहे हैं। उन्होंने प्रदेश में पार्टी संगठन को मजबूत करने पर जोर देने की बात कही है। ऐसे में आगामी दिनों में गुजरात में प्रदेश संगठन, जिला और तहसील स्तर पर बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। इसके लिए पार्टी के गुजरात प्रदेश प्रभारी मुकुल वासनिक बुधवार को गुजरात के तीन दिवसीय दौरे पर पहुंचे हैं।

अहमदाबाद एयरपोर्ट पर मुकुल वासनिक ने संवाददाताओं से कहा कि वे राज्य के तीन दिन के दौरे पर आए हैं। राहुल गांधी को पार्टी के नेताओं पर भरोसा है। उन्होंने गुजरात में पार्टी को मजबूत करने के लिए कई सुझाव दिए हैं और अपेक्षाएं व्यक्त की हैं। उन्हें पार्टी पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शक्ति सिंह गोहिल व अन्य नेताओं के साथ मिलकर जिला स्तर पर संगठन को मजबूत किया जाएगा। अभी वे बनासकांठा, मोरबी, कच्छ, सुरेन्द्रनगर, अहमदाबाद का वे दौरा करेंगे। पांचों ही जिलों में पार्टी के जिला संगठन की कारोबारी की बैठक होगी, उसमें संगठन को कैसे और बेहतर बना सकते हैं, उस पर चर्चा की जाएगी। २०२७ में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए अभी से तैयारी में पार्टी जुट गई है।

राहुल गांधी ने कहा है कि गुजरात में पार्टी के संगठन में ऐसे नेताओं को तवज्जो दी जाएगी जो पार्टी के प्रति समर्पित हैं और सक्रिय हैं। ऐसे लोगों को संगठन में अहम स्थान देकर पार्टी को जिला, तहसील और बूथ स्तर पर मजबूत किया जाएगा। उन नेताओं को जिम्मेदारी से मुक्त किया जाएगा जो सक्रिय नहीं हैं। कुछ दिन पहले कांग्रेस मुख्यालय के बाहर भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ पथराव के मामले में पार्टी के नेताओं से कार्यकर्ताओं के नाराज होने की बात से वासनिक किया है। उन्होंने कहा कि ऐसी खबरों का कोई आधार नहीं है। पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ है। भाजपा ने जो कार्य किया है, उसकी निंदा होनी चाहिए, जो लोग शामिल थे उनका विरोध होना चाहिए। ऐसा होगा तो ऐसी घटनाएं फिर नहीं होंगी।

विद्यार्थी की आत्महत्या के बाद अब एलडी इंजीनियरिग कॉलेज के होस्टेल में लगेंगे सीसीवीटी

अहमदाबाद (ईएमएस) शहर की विख्यात एलडी इंजीनियरिंग कॉलेज में एक विद्यार्थी की आत्महत्या की घटना के बाद कॉलेज प्रबंधन ने बड़ा फैसला किया है। जिसके मुताबिक कॉलेज के होस्टेल में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। हांलाकि दो साल पहले ही सीसीटीवी लगाने का निर्णय किया गया था, लेकिन विद्यार्थियों के विरोध के चलते इसे टाल दिया गया। बता दें कि दो दिन पहले ही अहमदाबाद की एलडी इंजीनियरिंग कॉलेज में कैमिकल इंजीनियरिंग के विद्यार्थी उर्विन चूहिया ने होस्टेल में आत्महत्या कर ली थी। इसी माह हुई परीक्षा में उर्विन चूहिया मोबाइल के साथ पकड़ा गया था और उसके बाद से वह अपने भविष्य को लेकर अवसाद में था। जिसे देखते हुए उसके दोस्त ज्यादातर समय तक उर्विन के साथ ही रहते थे। लेकिन दो दिन पहले उर्विन ने होस्टेल के एक रूप में गले और हाथ में ब्लैड मारकर आत्महत्या कर ली थी। होस्टेल की किसी भी लॉबी में एक भी सीसीटीवी कैमरे नहीं होने से पुलिस को जांच में काफी दिक्कतें आईं। दूसरी ओर उर्विन चूहिया के परिजनों ने भी होस्टेल में सीसीटीवी नहीं होने पर सवाल उठाए थे। साथ ही आरोप लगाया था कि होस्टेल में नशे की महफिल लगती थी और इसके लिए कॉलेज प्रबंधन को जिम्मेदार ठहराया था। इस पर एलडी इंजीनियरिंग कॉलेज के प्रिन्सिपल ने कहा कि दो साल पहले ही होस्टेल में सीसीटीवी कैमरे लगाने का फैसला किया गया था। लेकिन तब विद्यार्थियों ने अपनी निजता का हवाला देते हुए सीसीटीवी कैमरे लगाने का विरोध किया था। विरोध के चलते सीसीटीवी कैमरे लगाना टाल दिया गया था। लेकिन अब विद्यार्थी की आत्महत्या की घटना के बाद कॉलेज प्रबंधन ने होस्टेल में सीसीटीवी लगाने का फैसला किया है। विद्यार्थी अगर विरोध भी करते हैं तब भी कैमरे लगाए जाएंगे।

नाव पलटने से 12 स्कूली बच्चों की मौत.......पूर्व नगर निगम आयुक्त दोषी

गांधीनगर (ईएमएस)। गुजरात उच्च न्यायालय ने गुरुवार को सुनवाई के दौरान 18 जनवरी को अपर्याप्त लाइफ जैकेट वाली खचाखच भरी नाव पलटने से 12 स्कूली बच्चों और दो शिक्षकों के डूबने के कुछ महीनों बाद हरनी झील के विकास के लिए ठेका देने में अनियमितताओं की ओर इशारा किया है। इसमें वडोदरा के पूर्व नगर निगम आयुक्त एचएस पटेल को दोषी मना गया था। विनोद आर राव कर्तव्य में लापरवाही और अपने पद के दुरुपयोग के दोषी हैं।

मुख्य न्यायाधीश सुनीता अग्रवाल और न्यायमूर्ति प्रणव त्रिवेदी की पीठ ने कहा कि हमारी अस्थायी राय में प्रासंगिक समय पर तैनात दोनों नगर आयुक्त कर्तव्य की उपेक्षा और अपने पद के दुरुपयोग के दोषी हैं। पीठ खचाखच भरी नाव के पलटने के बाद दायर स्वतः संज्ञान वाली जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इसमें दो नगर निगम अधिकारियों द्वारा प्रक्रियात्मक खामियों और संभावित कदाचार की एक श्रृंखला का हवाला दिया गया। अदालत ने कहा कि वित्तीय क्षमता और कार्य अनुभव की कमी के कारण कोटिया प्रोजेक्ट्स को शुरू में पटेल के कार्यकाल के दौरान झील विकास के लिए रुचि की अभिव्यक्ति के पहले दौर में अयोग्य घोषित कर दिया गया था

बेरोजगारी का यह आलम, 10 पदों के लिए 1800 से ज्यादा उम्मीदवार पहुंचे इंटरव्यू देने

भरुच (ईएमएस) देश में बेरोजगारी की स्थिति कितनी गंभीर है इसकी गवाही देती घटना भरूच जिले के अंकलेश्वर से सामने आई है। केवल 10 पदों के लिए 1800 से ज्यादा उम्मीदवारों के वॉक-इन इंटरव्यू के लिए जमा से अफरातफरी मच गई। जिस होटल में वॉक-इन इंटरव्यू का आयोजन किया गया था, वहां भारी भीड़ के कारण रेलिंग टूट गई और कई युवक नीचे गिर गए। जानकारी के मुताबिक भरुच जिले के अंकलेश्वर की होटल लॉर्ड्स प्लाजा में 9 जुलाई को मल्टीनेशनल थर्मैक्स कंपनी के नए प्लांट में 10 पदों के लिए वॉक-इन इंटरव्यू आयोजित किया गया था। 3 से 10 साल का अनुभव रखने वाले बीई केमिकल, बी.एससी, एम.एससी, डिप्लोमा समेत उम्मीदवारों को लॉर्ड्स प्लाजा होटल, अंकलेश्वर में वॉक-इन-इंटरव्यू के लिए बुलाया गया था। कंपनी ने विज्ञापन के माध्यम से उन उम्मीदवारों को बायोडाटा भेजने की भी सूचना दी जो उपस्थित नहीं हो सकते। इस इंटरव्यू के लिए 1800 से ज्यादा युवा एकत्र हुए। भीड़ इतनी बढ़ गई थी कि उसे कंट्रोल करना मुश्किल हो गया और अफरातफरी मच गई। होटल के बाहर जहां भारी भीड़ थी वहां की रेलिंग टूट गई और उम्मीदवार नीचे गिर गए।

केराला गांव स्थित मल्टी स्पेश्यालिटी होस्पिटल सील, नकली डॉक्टर भी हत्थे चढ़ा

अहमदाबाद (ईएएस) मुख्य जिला स्वास्थ्य अधिकारी (सीडीएचओ) ने बावला तहसील में बड़ी कार्यवाही करते हुए एक मल्टी स्पेश्यालिटी होस्पिटल को सील कर दिया। साथ ही बगैर किसी डिग्री की प्रैक्टिश कर रहे डॉक्टर को दबोच लिया। स्वास्थ्य विभाग की इस कार्यवाही से फर्जी डॉक्टरों में हड़कंप मच गया है। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद जिले की बावला तहसील के केराला गांव में अनन्या मल्टी स्पेश्यालिटी होस्पिटल है, जहां बगैर किसी डिग्री के फर्जी डॉक्टर प्रैक्टिश कर रहा था। इसकी भनक लगते ही मुख्य जिला स्वास्थ्य अधिकारी ने फर्जी डॉक्टर को दबोच लिया। साथ ही अनन्या मल्टी स्पेश्यालिटी होस्पिटल को सील कर दिया। इस घटना से गैरकानूनी रूप से प्रैक्टिश करने वाले फर्जी डॉक्टरों में हड़कंप मच गया है। ऐसे फर्जी डॉक्टरों का मुख्य उद्देश्य पैसा कमा होता है और ऐसे चिकित्सकों से उपचार कराने का मतलब अपनी जान जोखिम में डालना। राज्य में ऐसे कई फर्जी डॉक्टर पकड़े जा चुके हैं, जो पैसे कमाने के चक्कर में लोगों की जिंदगी से खिलवाड करते थे। इलाज के लिए मरीज को अपने नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र से संपर्क करना चाहिए या फिर किसी योग्य डॉक्टर से उपचार कराना चाहिए।

गरवी गुर्जरी द्वारा राज्य के 50 वर्ष के इतिहास में हस्तकला तथा हैंडलूम उत्पादों की 25 करोड़ रुपए से अधिक की रिकॉर्ड बिक्री

गांधीनगर 11 जुलाई, 2024 : गुजरात में राज्य सरकार के व्यापक प्रयासों के चलते राज्य की विविधतापूर्ण कला-कारीगरी को बहुत ही प्रोत्साहन मिल रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन तथा मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में राज्य में ग्रामीण स्तरीय परंपरागत कला-कारीगरी के व्यवसाय तेजी से प्रगति कर रहे हैं। इस बात का प्रमाण राज्य सरकार के उद्यम गुजरात राज्य हथकरघा व हस्त कला विकास निगम (जीएसएच एच डीसी) द्वारा संचालित गरवी-गुर्जरी द्वारा सृजित बिक्री के रिकॉर्ड से मिलता है। निगम ने इस वर्ष बिक्री का पिछले 50 वर्ष का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। निगम संचालित गरवी-गुर्जरी के स्टॉल राज्य के अनेक स्थानों तथा देश के कई राज्यों में स्थित हैं। इन गरवी-गुर्जरी स्टॉल में हथकरघा-हस्तकला उत्पादों की बिक्री की जाती है।

उल्लेखनीय है कि राज्य में हस्तकला व हथकरघा की विशिष्ट पहचान स्थापित करने, उसका अस्तित्व बनाए रखने तथा उसके विकास के मुख्य उद्देश्य के साथ गुजरात सरकार के उद्यम के रूप में पिछले 50 वर्ष से यह निगम कार्यरत है। इस निगम द्वारा गुजरात की भव्य एवं विविधतापूर्ण हथकरघा-हस्तकला की पारिवारिक विरासत को जीवित रखने वाली हथकरघा-हस्तकला की श्रेष्ठ कृतियों का सृजन करने वाले राज्य के सुदूरवर्ती गाँवों में बसने वाले कारीगरों द्वारा तैयार उत्पादों की बिक्री में वृद्धि करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। इस कदम के चलते वर्ष 2023-24 के दौरान पिछले 50 वर्ष के इतिहास में सर्वाधिक 25 करोड़ रुपए से अधिक के उत्पादों की बिक्री की उपलब्धि हासिल की गई। यह बिक्री गत वर्ष की तुलना में दुगुनी है।

इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर निगम के प्रबंध निदेशक (एमडी) श्री ललित नारायण सिंह सांदु ने कहा कि इस महत्वपूर्ण सफलता के पीछे राज्य में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन आयोजित जी-20 बैठकों और उसके बाद मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र पटेल के नेतृत्व में आयोजित वाइब्रेंट समिट का उल्लेखनीय योगदान रहा है, कारण कि इस दौरान देश-विदेश के अनेक अतिथि गुजरात आए और उन्होंने बड़ी संख्या में गरवी-गुर्जरी स्टॉल्स पर जाकर ग्रामीण कला-कारीगरी के उत्पादों की खरीदारी की। निगम से जुड़े लगभग 7200 कारीगरों से 19.21 करोड़ रुपए के उत्पादों की खरीदारी कर निगम के राज्य एवं राज्य से बाहर स्थित बिक्री केन्द्रों से 13 करोड़ रुपए के उत्पाद बेचे गए। साथ ही बाजार सहायता के लिए राज्य एवं राज्य के बाहर के विभिन्न स्थलों पर मेले-प्रदर्शनियों का हर महीने प्रभावी आयोजन कर 12 करोड़ रुपए से अधिक की बिक्री की गई।

उल्लेखनीय सफलता में योगदान देने वाले मुख्य कारक

(1) सरकारी सहायता : प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की अध्यक्षता में हुई जी20 समिट के अंतर्गत गुजरात में आयोजित जी20 बैठकों तथा प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन व मुख्यमंत्री के नेतृत्व में गुजरात में आयोजित वाइब्रेंट गुजरात समिट ने विक्रय के इस रिकॉर्ड ब्रेकिंग आँकड़े को पार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके अलावा वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) तथा वोकल फॉर लोकल जैसी पहलों द्वारा इस परंपरागत हस्तकला की पहचान को स्थापित कर तथा हैंडलूम उत्पादों की बाजार उपस्थिति को उल्लेखनीय रूप से गति देकर अधिकतम् उपभोक्ताओं तक पहुँचाया गया है।

(2) समृद्ध प्रदर्शनी आयोजन : इस वर्ष गरवी-गुर्जरी ने पहले से प्रदर्शनी के लिए अच्छे स्थानों का चयन किया गया और देशभर के खरीदारों के लिए अद्भुत खरीदारी का अनुभव प्रदान किया। इस वर्ष गुजरात में तथा मुंबई, पुणे, दिल्ली, कोलकाता एवं हैरदाबाद जैसे महत्वपूर्ण शहरों सर्वाधिक प्रदर्शनियाँ हुईं। मास्टर कारीगरों तथा पुरस्कार प्राप्त कारीगरों की उपस्थिति ने प्रदर्शनियों के अनुभव में सुधार किया, जिससे रिकॉर्ड बिक्री हुई।

(3) नई डिजाइन : डिजाइनर्स की समर्पित टीम ने निरंतर सृजनात्मकता के साथ नई डिजाइन्स प्रस्तुत की हैं, जो परंपरागत संस्कृति की जड़ में रह कर आधुनिकता को प्रतिबिंबित करती हैं। इन डिजाइन्स ने उपभोक्ताओं को आकर्षित किया है, क्योंकि ये डिजाइनें मांग के अनुरूप थीं, जिसने बिक्री में अभूतपूर्व वृद्धि करवाई। (4) कारीगर कौशल्य प्रशिक्षण : कारीगरों के सशक्तिकरण व उत्पादन की गुणवत्ता बढ़ाने में कौशल्य विकास के महत्व को पहचान कर गरवी-गुर्जरी ने डिजाइन प्रशिक्षण के लिए एनआईएफटी के साथ एमओयू किया है।

गुजरात: ८ दिनों में बलात्कार के ६ आरोपियों को २० साल कैद की सजा

अहमदाबाद, ११ जुलाई। बच्चों के साथ बलात्कार, दुष्कर्म करने वाले आरोपियों को जल्द से जल्द सजा मिले इस दिशा में गुजरात पुलिस और गुजरात की अदालतों की ओर से अनूठी पहल की गई है।

बच्चों के साथ बलात्कार, दुष्कर्म करने वाले आरोपियों को जल्द से जल्द सजा मिले इस दिशा में गुजरात पुलिस और गुजरात की अदालतों की ओर से अनूठी पहल की गई है। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि राज्य में बीते ८ दिनों में पोक्सो व बलात्कार के मामलों में से पांच मामलों में अदालतों ने छह आरोपियों को दोषी करार देते हुए २० साल कैद की सजा सुनाई है। इससे पीड़ित बच्चियों-बच्चों को जहां जल्द न्याय मिला है वहीं ऐसे मामलों में जल्द फैसला आने से ऐसे जघन्य अपराध करने वाले आरोपियों में भी कड़ा संदेश जाएगा।

अहमदाबाद प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्र सेक्युअल ऑफेंसिस (पोक्सो) एक्ट के तहत दर्ज बलात्कार के मामले में पुलिस ने मामला दर्ज होते हुए आरोपी को तत्काल गिरफ्तार किया। ३७ दिनों में आरोप पत्र पेश करते हुए। अदालत में पुख्ता सबूत पेश किए। सरकारी वकील ने मजबूती से पक्ष रखा, जिससे अदालत ने आरोपी को दोषी करार देते हुए २० साल कैद की सजा सुनाई है।

गांधीधाम में दर्ज ऐसे मामले में आरोपी को तत्काल गिरफ्तार करते हुए पुलिस ने जांच करते हुए केवल २० दिन में ही आरोपपत्र पेश कर दिया था। अदालत ने भी सुनवाई करते हुए आरोपी को दोषी करार देते हुए २० साल कैद की सजा सुनाई है। भुज के मामले में भी आरोपी को अदालत ने २० साल कैद की सजा सुनाई है। वडोदरा में दर्ज बलात्कार के मामले में पुलिस ने तत्काल जांच कर आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद केवल २० दिन में ही आरोप पत्र पेश कर दिया। अदालत ने आरोपी को २० साल की सजा सुनाई है।

सूरत पुलिस ने बलात्कार के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए २६ दिनों में आरोप पत्र पेश किया था। इस मामले में अदालत ने दोनों आरोपियों को दोषी करार देते हुए २० साल कैद की सजा सुनाई है। गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने गुजरात पुलिस व अदालतों की त्वरित न्याय की पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह गुजरात पुलिस व अदालतों की कार्यक्षमता और समर्पण का उदाहरण है।

एक ही परिवार के चार लोगों ने की सामूहिक आत्महत्या

जामनगर (ईएमएस) शहर के माधवबाग-1 में रहनेवाले धुवा परिवार के चार सदस्यों के आत्महत्या कर लेने की घटना से सनसनी फैल गई। सामूहिक आत्महत्या के कारणों का फिलहाल पता नहीं चला है। जामनगर पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक जामनगर के माधवबाग-1 अशोक धुवा अपनी पत्नी लीलू धुवा, बेटे जिग्नेश धुवा और बेटी किंजल धुवा के साथ रहते थे। ब्रास पार्ट के व्यवसाय से जुड़े अशोक धुवा ने पत्नी, बेटा-बेटी के साथ बुधवार को जहरीली दवाई पीकर सामूहिक आत्महत्या कर ली।

ओखा-गांधीग्राम स्पेशल ट्रेन के फेरे 25 अगस्त तक विस्तारित

टिकटों की बुकिंग 12 जुलाई से

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए ओखा-गांधीग्राम और गांधीग्राम-ओखा स्पेशल ट्रेन के फेरे (विशेष किराये पर) विस्तारित किए गए हैं। ट्रेन संख्या 09436 ओखा-गांधीग्राम स्पेशल ट्रेन (प्रति रविवार) 14.07.2024 से 25.08.2024 तक चलेगी। ट्रेन संख्या 09435 गांधीग्राम-ओखा स्पेशल ट्रेन (प्रति शनिवार) 13.07.2024 से 24.08.2024 तक चलेगी। ट्रेन संख्या 09436 और 09435 के विसतारित फेरों की बुकिंग 12 जुलाई, 2024 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव के समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

रैलिस इंडिया ने पंजाब और हरियाणा में शुरू किया 'धान का पावरप्ले' अभियान

हिसार, 11 जुलाई 2024: एक टाटा उद्यम और भारत के कृषि उत्पाद उद्योग की एक अग्रणी कंपनी, रैलिस इंडिया लिमिटेड ने हरियाणा और पंजाब में किसानों के लिए 'धान का पावरप्ले' अभियान चलाकर धान की फसलों के शुरूआती चरणों में उपज की देखभाल के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए आगे कदम बढ़ाए हैं।

इन बाज़ारों में किसानों की आय में सबसे अधिक योगदान धान की फसलों का होता है। किसानों को उन्नत कृषि समाधान प्रदान करने और उन्हें शुरूआती चरण में धान की फसल के स्वास्थ्य और पोषण के महत्व के बारे में जागरूक करने के लिए एक प्रतिबद्ध संगठन के रूप में, रैलिस इंडिया ने 'धान का पावरप्ले' अभियान शुरू किया है। इस अभियान में पंजाब और हरियाणा में अपने कृषि उत्पादों के प्रदर्शनी खेतों के दौरे और किसान गोष्ठी के साथ साथ किसानों के साथ आमने सामने बैठकों के ज़रिये किसानों से सीधे जुड़ा जाता है।

रैलिस इंडिया लिमिटेड के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर श्री एस नागराजन ने कहा, रैलिस इंडिया के व्यापक उपज देखभाल समाधान पंजाब और हरियाणा के किसानों को धान की उपज को ज़्यादा से ज़्यादा बढ़ाने में मदद करने के लिए बनाये गए हैं। इस अभियान के द्वारा हम किसानों में जाफू, रैलीगोल्ड जीआर, जायगेंट और नयाज़िंक जैसे हमारे नवीनतम एवं इस्तेमाल में आसान, दानेदार उत्पादों के बारे में किसानों की जागरूकता बढ़ा रहे हैं और इनको अपनाये जाने को बढ़ावा दे रहे हैं।

वैश्विक कार्यबल में हर चौथा व्यक्ति भारत का होगा: एनएसडीसी सीईओ

बेंगलुरु, 11 जुलाई 2024। राष्ट्रीय कौशल विकास निगम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) श्री वेद मणि तिवारी ने गुरुवार को कहा कि अगले 24 साल में वैश्विक कार्यबल में 100 करोड़ नये लोग शामिल होंगे, जिनमें से हर चौथा व्यक्ति भारतीय होगा। श्री तिवारी यहां एनएसडीसी के एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कार्यस्थल और शिक्षालय के बीच समन्वय एवं शिक्षा और कौशल के बीच निरंतरता बनाये रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

एनएसडीसी के सीईओ श्री वेद मणि तिवारी ने एक स्टडी के आंकड़ों का जिक्र करते हुए कहा कि 2047 तक भारत की अर्थव्यवस्था का आकार 35 ट्रिलियन (35 लाख करोड़) डॉलर हो जाएगा। उन्होंने कहा, कल्पना कीजिए भारत की अर्थव्यवस्था करीब चार ट्रिलियन से 35 ट्रिलियन डॉलर की जब बनेगी तब हमारी युवा पीढ़ी के सामने कितने अवसर पैदा होंगे। यह पीढ़ी ऐसी है जो अब से लेकर अगले पांच-दस साल में ग्रेजुएट बनकर अर्थव्यवस्था में अपनी भागीदारी निभाएगी।

आज देश की युवा आबादी की ताकत और उनके सामने पैदा होने वाले अवसर पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा, पहले हमें बताया जाता था कि भारत की विशाल आबादी एक बड़ी समस्या है जबकि आज सुनने को मिलता है कि हमारे लिए सबसे अच्छी बात यह है कि हमारे पास डेमोग्राफिक डिवीडेंड है क्योंकि हमारी दो तिहारी आबादी 35 वर्ष से कम उम्र की है और भारत दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी वाला देश है।

बैड न्यूज़' के प्रमोशन के लिए अहमदाबाद पहुंचे विक्की कौशल और एम्मी विर्क

अहमदाबाद, 11 जुलाई, 2024 : धर्मा प्रोडक्शंस और लियो मीडिया कलेक्टिव के सहयोग से अमेज़ॅन प्राइम द्वारा प्रस्तुत, कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'बैड न्यूज' की रिलीज़ डेट जैसे-जैसे पास आ रही है, फैंस और दर्शकों के बीच इसे लेकर उत्साह बढ़ता जा रहा है। वहीं दूसरी ओर, इसके प्रमोशन का सिलसिला भी उतनी ही तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस कॉमेडी-ड्रामा फिल्म को प्रमोट करने के लिए इसके मुख्य कलाकार विक्की कौशल और एम्मी विर्क अहमदाबाद पहुंचे। आनंद तिवारी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में विक्की कौशल, तृप्ति डिमरी और एम्मी विर्क एकदम नए अंदाज में नजर आने वाले हैं। यह फिल्म 19 जुलाई, 2024 को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज़ होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

फिल्म के प्रमोशन को लेकर दोनों कलाकारों ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाग लिया, जहाँ उन्होंने फिल्म, अपने किरदारों और इसे लेकर अपने अनुभवों के बारे में पत्रकारों से बातचीत की। विक्की कौशल ने बताया कि अभी तक जितनी भी फिल्में की हैं, उनसे 'बैड न्यूज' काफी अलग है, क्योंकि इसमें मुझे कॉमेडी करने का मौका मिला है। वहीं, पंजाबी एक्टर एमी विर्क ने कहा कि यह फिल्म लोगों को हंसाने के साथ ही एक गुदगुदाने वाला मैसेज भी देगी। एमी विर्क ने बताया कि फिल्म की कहानी ही उसे लोकप्रियता दिलाती है। इस फिल्म के लिए पूरी टीम ने खूब मेहनत की है। मुझे उम्मीद है कि नए कॉन्सेप्ट पर बनी यह फिल्म दर्शकों को जरूर पसंद आएगी।

जेएसडब्ल्यू समूह ने बेंगलुरु में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने के लिए एमएसआरआईटी और शारिका के साथ समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

जेएसडब्ल्यू उत्कृष्टता केंद्र लचीले पावर सिस्टम - स्मार्ट ग्रिड में रिसर्च, प्रशिक्षण और विकास को बढ़ावा देगा

मुंबई और बेंगलुरु - 11 जुलाई, 2024: 24 अरब अमेरिकी डॉलर के वें ग्रुप ने विश्वेश्वरैया टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी से संबद्ध एक स्वायत्त निजी इंजीनियरिंग संस्थान, एमएस रमैया इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी (MSRIT) के साथ एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन (MOU) में प्रवेश किया है और इसे मंजूरी दे दी है।

राज्य सरकार द्वारा. कर्नाटक और शारिका स्मार्टेक, शारिका एंटरप्राइजेज का एक प्रभाग, एक तकनीकी ज्ञान आधारित परामर्श और प्रशिक्षण कंपनी, जो स्मार्ट ग्रिड टेक्नोलॉजी के डिजाइन और विकास में लगी हुई है, जो पारंपरिक बिजली प्रणाली को इनोवेटिव सोल्यूशंस के माध्यम से लचीली बिजली प्रणाली में परिवर्तित करती है। यह त्रिपक्षीय सहयोग बेंगलुरु के एमएसआरआईटी परिसर में स्मार्ट ग्रिड टेक्नोलॉदी के लिए जेएसडब्ल्यू उत्कृष्टता केंद्र (जेएसडब्ल्यू-सीओई) स्थापित करेगा।

एमओयू के सभी तीन पक्ष संचालन कर्मचारियों, इंजीनियरों और प्रबंधकीय पेशेवरों के लिए निरंतर सीखने, कौशल विकास और ज्ञान वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए समाज की सामूहिक ताकत का लाभ उठाएंगे। उत्कृष्टता केंद्र जेएसडब्ल्यू उत्कृष्टता केंद्र के माध्यम से सीखने, प्रशिक्षण और विकास के लिए एक मजबूत प्लेटफॉर्म प्रदान करेगा। इस अत्याधुनिक उत्कृष्टता केंद्र से इंजीनियरिंग पेशेवरों की अगली पीढ़ी को सेवा के रूप में लैबठ की पेशकश करके, परीक्षण के साथ-साथ परामर्शात्मक सहायता प्रदान करते हुए स्टार्टअप का समर्थन करके सीखने और प्रशिक्षण मॉडयूल में एक क्रांतिकारी बदलाव लाने की उम्मीद है। यह बिजली प्रणालियों के तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्र में निरंतर सीखने, कौशल विकास और ज्ञान वृद्धि को बढ़ावा देगा।

पश्चिम रेलवे विशेष ट्रेन के फेरे बढ़ाएगी

ट्रेन संख्या	कहाँ से	कहाँ तक	सर्विस के दिन	विस्तारित किया
09435	गांधीग्राम	ओखा	शनिवार	24.08.2024
09436	ओखा	गांधीग्राम	रविवार	25.08.2024

ट्रेन संख्या 09435/09436 की विस्तारित यात्राओं की बुकिंग 12 जुलाई, 2024 से पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ठहराव के समय और संयोजन के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry. Indianrail.gov.in पर जा सकते हैं।

उक्त ट्रेन विशेष किराये पर स्पेशल ट्रेन के रूप में चलेगी.

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in

हमें लाइक करें : facebook.com/WesternRly • हमें फ़ॉलो करें : twitter.com/WesternRly

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल आईडी प्रमाण साथ रखें

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122, 9327086467 R.N.I. 63177/95